RNI No: DELMUL/2012/47011

08 नवंबर, 2026 रविवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 220

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

# टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक 07

## अवकाश सूचना

दैनिक समाचार पत्र **टाइम्स ऑफ़ पीडिया** कार्यालय में दीपावली पर्व पर आज रविवार को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक मंगलवार 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा।

## शुभकामनाएं

दैनिक समाचार पत्र **टाइम्स ऑफ़ पीडिया** की ओर से सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं।

-संपादक

### पीएम नरेंद्र मोदी ने दी शुभकामनाएं, बोले-

## मैं जवानों के बीच मनाऊंगा दिवाली

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम ने कहा-दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आपका ये पर्व आपका आगे का समय सब कुछ सुख-शांति और समृद्धि से भरा रहे। मैं भी आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावली मनाता हूं। और हर साल आप जानते हैं देश के वीर जवानों के बीच जाना मेरा नित्य क्रम है। इस बार भी जारी रहेगा।

### आस्था, संस्कृति और उल्लास का अलौकिक संगम

# अद्भुत, अकल्पनीय दीपोत्सव

- 30 लाख दीपों की रोशनी की साक्षी बनी रामनगरी, बना नया रिकॉर्ड
- उपराष्ट्रपति, सीएम योगी और राज्यपाल व संतों ने किया राजतिलक
- अयोध्या में दीपोत्सवः तस्वीरों में देखें लेजर शो समेत मनमोहक छटा
- यात्रा में प्राचीन संस्कृति के साथ-साथ नए भारत की झलक भी दिखी
- रामराज्य की कल्पना साकार, पुष्पक विमान से सीता और हनुमान
- अयोध्या में सीएम योगी ने उतारी राम की आरती, खींचा रथ



**वेब वार्ता, अयोध्या**

भगवान श्रीराम की पावन नगरी ने शनिवार को एक बार फिर इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से अपना नाम दर्ज करा लिया। अवसर था 10वें भव्य दीपोत्सव का, जिसने भक्ति, संस्कृति और उल्लास के संगम से पूरी रामनगरी को अलौकिक प्रकाश से नहला दिया। इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने मध्यप्रदेश, मुंबई, गुजरात, बिहार से लेकर दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचे थे। जैसे ही संध्या ढली, रामनगरी का वैभव अपने चरम पर पहुंच गया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति ने इस अनुष्ठान को ऐतिहासिक

### नया भारत और अयोध्या का गौरवःसीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ देश विरासत, विकास और लोककल्याण के साथ आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में जुटा है, वहीं कुछ ताकतें आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब अयोध्या में जय श्रीराम बोलने और पूजा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा सकता, न ही कोई दंगा करने की हिम्मत कर सकता है। माताओं और बहनों की सुरक्षा पर जोर देते हुए सीएम योगी ने कहा कि अब किसी बेटी को सुरक्षा के लिए गुहार नहीं लगानी पड़ेगी, और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को रावण जैसी दुर्गति भुगतनी होगी। पिछले 12 वर्षों में देश की तस्वीर बदली है। जिस भारत को कभी भ्रष्टाचार और आतंकवाद का पर्याय माना जाता था, वह आज विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। सरकार बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक पहुंचा रही है।

### समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बोले

## कारसेवकों के बलिदान का प्रतीक राम मंदिर



उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि लगभग 500 वर्षों तक राम मंदिर रामभक्तों के लिए एक अधूरा सपना बना रहा, जो अंततः कारसेवकों के बलिदान और संघर्ष से साकार हुआ। यह मंदिर करोड़ों हिंदुओं के आत्मसम्मान का प्रतीक है। अयोध्या का विकास विरासत और आधुनिक प्रगति का बेहतरीन उदाहरण है। संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि जब अशोक सिंघल ने मंदिर की आधारशिला रखी थी, तब उनकी मां ने सिर पर ईंट उठाई थी। उपराष्ट्रपति ने सीएम योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि वे असंभव को संभव बना देते हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश देश के सभी राज्यों का नेतृत्व करेगा। भारत अपनी मजबूत लोकतांत्रिक परंपराओं के बल पर आगे बढ़ रहा है और हम सब मिलकर देश को महाशक्ति बनाएंगे। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और जय श्रीराम व जय हिंद के नारे के साथ अपना संबोधन समाप्त किया।

### नया विश्व रिकॉर्ड कायम

सरयू नदी के तट पर स्थित 56 घाटों और राम की पैड़ी को 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीपकों से रोशन किया गया, जिससे यह पूरा क्षेत्र जगमगा उठा। इस अद्भुत नजारे ने नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। इसके साथ ही, सरयू तट पर 2147 अर्चकों द्वारा की गई भव्य महाआरती ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया।

### सदियों तक याद रखा जाएगा

आसमान में 2100 ड्रोन द्वारा किए गए विशेष शो और राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर लाइट व साउंड शो ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। रंग-बिरंगी रोशनी और दीपों की झिलमिलाहट के बीच अयोध्या का यह दीपोत्सव सनातन आस्था, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय उल्लास का एक ऐसा अद्भुत अध्याय बन गया, जिसे सदियों तक याद रखा जाएगा।

### हर साल बना रिकॉर्ड

| वर्ष | जले दीप |
|---|---|
| 2026 | 30 लाख |
| 2025 | 26.11 लाख |
| 2024 | 25.12 लाख |
| 2023 | 22.23 लाख |
| 2022 | 15.76 लाख |
| 2021 | 9.41 लाख |
| 2020 | 6.06 लाख |
| 2019 | 4.04 लाख |
| 2018 | 3.01 लाख |
| 2017 | 1.71 लाख |

## 1984 पीड़ित परिवारों के 150 सदस्यों को मिली सरकारी नौकरी : रेखा गुप्ता




**वेब वार्ता, नई दिल्ली**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 1984 के सिख नरसंहार के पीड़ित परिवारों को न्याय, सम्मान और आर्थिक-सामाजिक सहारा देना दिल्ली सरकार का संकल्प है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के आवास पर आयोजित 'संवाद-1984 के सिख नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों के सदस्यों से मुलाकात की और उनकी पीड़ा, संघर्ष तथा लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा से जुड़ी भावनाओं को सुना।रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्ष 1984 की घटनाओं को याद करना आज भी बेहद पीड़ादायक है। इन परिवारों ने वर्षों तक कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। दीपावली जैसे त्योहारों पर भी अपनों को खोने का दर्द उनके मन में बना रहता है। उन्होंने कहा कि उस समय निर्दोष लोगों पर एकतरफा हमले किए गए थे, जिन्हें केवल दो समूहों के बीच संघर्ष बताना उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, जिससे उन मामलों की जांच आगे बढ़ी, जिनमें पहले कार्रवाई नहीं हो सकी थी।

उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने पिछले डेढ़ वर्ष में पीड़ित परिवारों के 150 सदस्यों को सरकारी नौकरी प्रदान की है। नियुक्ति प्रक्रिया सरल बनाने के लिए शैक्षणिक योग्यता संबंधी शर्तों में राहत दी गई है और आयु सीमा में भी छूट प्रदान की गई है। अब पात्र परिवार अपनी परिस्थितियों के अनुसार किसी उपयुक्त सदस्य को नौकरी के लिए नामित कर सकते हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि अपनों को वापस नहीं लाया जा सकता, लेकिन उनके परिवारों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

## बालाघाट में करंट लगने से बाघ की मौत

### मचा हड़कंप...डॉग स्क्वॉड सहारे साक्ष्य जुटा वन विभाग

**वेब वार्ता, बालाघाट**

उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट के पूर्व बैहर सामान्य वन परिक्षेत्र की खुरमुंडी बीट में शनिवार को नर बाघ उम्र 12 वर्ष मृत अवस्था में मिला। बाघ की मौत विद्युत करंट लगने से हुई है। वन विभाग ने बालाघाट से डॉग स्क्वॉड टीम बुलाकर शव बरामद किया और जांच शुरू की गई। चिकित्सकों की तीन सदस्यीय टीम ने पीएम किया। आसपास के क्षेत्र में तलाशी के



दौरान जीआई तार और खूंटियां मिली हैं। डॉग स्क्वॉड की मदद से वन विभाग आरोपितों का पता लगाने में जुटा है। जिले में वन्यजीवों की लगातार हो रही मौतों के कारण वन विभाग की चिंता बढ़ गई है और गश्त पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीते 24 दिनों के भीतर बाघ और तेंदुए समेत अन्य 10 वन्यजीवों की मौत हुई है।

### इनका कहना है

मृत नर बाघ की उम्र 12 वर्ष है। पीएम के बाद बाघ का बिसरा एकत्रित कर लिया है। मौत का कारण पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। बाघ की मौत के बाद क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

**गौरव चौधरी,** सीसीएफ

### लाइब्रेरी में मिलीं फर्जी लेखकों के नाम वाली किताबें

## तमिलनाडु में भारत का पहला एआई घोटाला

- सरकार किताबों पर खर्च हुए पूरे पैसे की वसूली करेगी
- ई-बुक्स के लिए भी 5 करोड़ रुपए किए गए थे निर्धारित



**नई दिल्ली।** तमिलनाडु की सरकारी लाइब्रेरियों के लिए खरीदी गई किताबों को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री ए राजमोहन ने आरोप लगाया है कि पिछली डीएमके सरकार के कार्यकाल में एआई की मदद से तैयार की गई फर्जी किताबें सरकारी पुस्तकालयों में खरीदी गईं। उन्होंने इसे भारत का पहला एआई घोटाला करार देते हुए भ्रष्टाचार निरोधक पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही मामले की विस्तृत जांच के लिए एक विशेष समिति बनाने का ऐलान किया है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब प्रसिद्ध तमिल उपन्यासकार पेरुमल मुरुगन ने कोयंबटूर की पेरियार अरिवुलगम लाइब्रेरी में रखी कुछ महंगी किताबों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उन्होंने एक लेख के जरिए खुलासा किया कि इन किताबों में कई बुनियादी गलतियां, इतिहास से जुड़े संदिग्ध दावे और ऐसे लेखकों के नाम शामिल हैं जिनका कोई वजूद नहीं मिलता।

## गैंगस्टर हैरी बॉक्सर अमेरिका में गिरफ्तार

**वॉशिंगटन।** लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी एजेंसी आईसीई ने उसे कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया है। हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां चला रहा था। उस पर हत्या और रंगदारी समेत कई गंभीर केस दर्ज हैं। हैरी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा हैरी पर सलमान खान और कपिल शर्मा समेत अन्य बॉलीवुड हस्तियों को धमकी देने का भी आरोप है।

## 'गजराज' 13 हजार फीट की ऊंचाई पर उतरा

### सबसे ऊंचे एयरबेस वायु सेना ने किया कमाल, यह जगह चीन सीमा से लगी

**वेब वार्ता, नई दिल्ली**

भारतीय वायुसेना ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान आईएल-76 एमडी की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है।

इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। नवंबर 2025 में न्योमा को अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था। तब



तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सी-130 जे से उतरकर इसका उद्घाटन किया था। यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। मतलब साफ है - अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है।

## भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को हराया

**बारिश के कारण डीएलएस से हुआ फैसला**

**वेलिंगटन।** बारिश से प्रभावित दूसरे वनडे में भारत ने न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस नियम से 4 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। वेलिंगटन में बारिश के कारण मुकाबला 47 ओवर का कर दिया गया था। टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। वहीं 135 रन का पीछा करते हुए भारत ने 26 ओवर में 7 विकेट पर 113 रन बनाए थे, तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इस समय डीएलएस के तहत भारत का पार स्कोर 109 रन था। टीम इससे 4 रन आगे थी और इसी आधार पर जीत मिली।

### चिंता

दीवाली से पहले ही मध्यप्रदेश से दिल्ली तक की हवा खराब, ग्वालियर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार

# प्रदूषण से फूली सांस!

- राजधानी भोपाल, इंदौर और उज्जैन की हवा भी हो गई जहरीली
- प्रदूषण के चलते दिल्ली में 5वीं तक स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई

**वेब वार्ता, भोपाल/नई दिल्ली**

दिवाली के आगमन से पहले ही देश की राजधानी दिल्ली और मध्य प्रदेश के कई प्रमुख शहरों की आबोहवा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है।

वायु प्रदूषण के बढ़ते असर से आम लोगों का सांस लेना दूभर हो रहा है। मध्य प्रदेश का ग्वालियर शहर इस प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां तीन अलग-अलग निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार पहुंच गया है। ग्वालियर के दीनदयाल नगर में एक्यूआई 348, महाराज बाड़ा में 334 और सिटी सेंटर में 316 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में है। दूसरी ओर, देश की राजधानी दिल्ली में भी वायु प्रदूषण का संकट गहरा गया है। शनिवार को इंडिया गेट के आसपास एक्यूआई 380 दर्ज किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। 5वीं कक्षा तक के स्कूलों को हाइब्रिड मोड में चलाने के निर्देश दिए गए हैं।



### उज्जैन-सिंगरौली भी बढ़ा रहा टेंशन

**इधर,** मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पर्यावरण परिसर केंद्र पर एक्यूआई 261 दर्ज हुआ, जहां हवा खराब श्रेणी में है। मुख्य प्रदूषक तत्व पीएम 2.5 पाया गया है। भोपाल के टीटी नगर (183) और ईदगाह हिल्स (141) में स्थिति थोड़ी बेहतर और मध्यम श्रेणी में रही। ग्वालियर और भोपाल के अलावा इंदौर, उज्जैन, मंडीदीप और सिंगरौली जैसे औद्योगिक व शहरी क्षेत्रों में भी धूल और धुएं के कारण हवा की गुणवत्ता लगातार गिर रही है।

| शहर | एक्यूआई |
|---|---|
| ग्वालियर | 348 |
| भोपाल | 261 |
| मंडीदीप | 251 |
| इंदौर | 233 |
| उज्जैन | 229 |
| सिंगरौली | 206 |
| जबलपुर | 164 |
| सागर | 154 |
| कटनी | 197 |
| देवास | 162 |
| पीथमपुर | 167 |
| रतलाम | 132 |
| दमोह | 59 |
| मैहर | 61 |

## राहुल-प्रियंका भी नहीं चाहते थे मैं बनूं भारत की प्रधानमंत्री

### सोनिया ने कहा- 2004 में ठुकरा दिया था पीएम पद

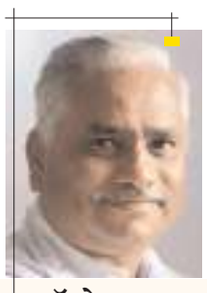
**वेब वार्ता, नई दिल्ली**



साल 2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने का फैसला सोनिया गांधी की जिंदगी के सबसे चर्चित राजनीतिक फैसलों में से एक रहा है। अपनी किताब बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव में उन्होंने बताया है कि राहुल और प्रियंका भी नहीं चाहते थे कि मैं भारत की पीएम बनूं। 10 नवंबर को लॉन्च होने वाली किताब पर एक इंटरव्यू में सोनिया गांधी ने इस फैसले से लेकर राजीव गांधी के साथ अपने रिश्ते, इमरजेंसी, कांग्रेस के भविष्य और देश की राजनीति पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत को लेकर पीएम मोदी और उनकी सोच अलग है। सोनिया ने 12 साल में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को हुए नुकसान पर भी चिंता जताई। साथ ही कहा- राजीव से मुलाकात के 60 साल बाद भी मैं वही इंसान हूं, बस अब पहले जितना हंसती नहीं।

## पांच दिनों का दीपोत्सव....

# परंपराओं की रोशनी में जगमगाता भारत, हर दिन में छिपा है जीवन का एक संदेश



▪ डॉ. केशव पाण्डेय

कितनों को देता हैं रोशनी
और खुद खाक होता है
जमाने का दस्तूर ही कुछ
ऐसा है हर दिया तले
हमेशा अंधेरा होता है ।।

रोशनी..प्रकाश..उजाला..उजास..जगमग..चमक..दमक..किरण...

ज्योति..जोत नाम अनेक हो सकते हैं लेकिन इन सभी के मूल में केवल और केवल छुपा हुआ है एक बड़ा संदेश जो तमाम विषमताओं को चीरते हुए समाज को रोशन होने का संदेश प्रदान करता है। वर्ष के 5 दिनों तक यह पर्व विविधता में एकता वाले सुंदर देश भारत में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है जिसे हम सभी दीपावली महापर्व के नाम से जानते हैं। इसके पीछे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही पक्ष छुपे हुए हैं क्योंकि ऋतु परिवर्तन के बाद होने वाले बदलावों को भी यह पर्व अपनी आगोश में समाते हुए हमें स्वच्छ साफ निर्मल रहने का बड़ा संदेश देता है यह स्वच्छता बाहरी आवरण के साथ ही भीतर के अंध तमस को उजास में तब्दील करते हुए समाज में मानसिक शुद्धता का बड़ा प्रतीक बना हुआ है क्योंकि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का अयोध्या में लौटना महापर्व के सबसे बड़े संदेश के तौर पर देश भर में मान्यता हासिल किए हुए हैं।

धनतेरस से भाई दूज तक पांच पर्वों का सांस्कृतिक विस्तार केवल दीप जलाने का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आस्था, लोकजीवन, पारिवारिक संबंधों, समृद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनूठा संगम है। देश के अलग-अलग राज्यों में बदल जाते हैं उत्सव के रंग, लेकिन हर जगह एक ही कामना दिखाई देती है–जीवन में सुख, शांति और प्रकाश का आगमन।

भारत में दीपोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की स्मृतियों, लोकपरंपराओं और सामाजिक रिश्तों को जोड़ने वाला ऐसा सांस्कृतिक पर्व है, जिसकी चमक पांच दिनों तक अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है। सामान्यतः धनतेरस से प्रारंभ होकर नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज तक चलने वाला यह उत्सव भारतीय जीवन के पांच महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखता है। कहीं धन और आरोग्य की कामना है, कहीं बुराई पर अच्छाई की विजय का विश्वास, कहीं लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी है तो कहीं प्रकृति, पशुधन और भाई-बहन के स्नेह के प्रति कृतज्ञता। इस पांच दिवसीय उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत के अलग-अलग राज्यों में इसकी परंपराएं भले ही अलग हों, लेकिन इनके मूल में मंगल, सद्भाव और खुशहाली की भावना समान रूप से विद्यमान है।

**पांच दिनों का आध्यात्मिक और सामाजिक अर्थ**

**पहला दिनः धनतेरस — समृद्धि के साथ आरोग्य का सम्मान**

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को मनाया जाने वाला धनतेरस दीपोत्सव का पहला दिन है। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद और आरोग्य का अधिष्ठाता माना जाता है। इसीलिए इस दिन धन की देवी लक्ष्मी के साथ आरोग्य के प्रतीक धन्वंतरि की पूजा का भी विशेष महत्व है।

परंपरागत रूप से लोग सोना, चांदी, तांबा, पीतल अथवा अन्य धातुओं के बर्तन खरीदते हैं। हालांकि इस परंपरा का वास्तविक संदेश केवल खरीदारी तक सीमित नहीं है। धन का सदुपयोग, स्वास्थ्य की सुरक्षा और परिवार की आर्थिक खुशहाली भी इसके व्यापक अर्थ हैं। आधुनिक जीवन में धनतेरस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि वास्तविक संपन्नता केवल बैंक खाते या आभूषणों में नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, संतुलित जीवन और सुरक्षित भविष्य में भी निहित है।

**दूसरा दिनः नरक चतुर्दशी — बुराइयों से मुक्ति और आत्मशुद्धि का पर्व**



कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी अथवा छोटी दीपावली के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक आख्यानों में इस दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध और उसके अत्याचारों से लोगों को मुक्ति दिलाने का उल्लेख मिलता है। यह प्रसंग अन्याय, अहंकार और अत्याचार के अंत का प्रतीक माना जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस दिन सुबह जल्दी उठकर अभ्यंग स्नान करने, घर के बाहर दीपक जलाने और पूजा करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है, जबकि गोवा में नरकासुर के विशाल पुतले बनाकर उनका दहन करने की विशिष्ट परंपरा देखने को मिलती है। इन पुतलों के माध्यम से बुराई के अंत का प्रतीकात्मक संदेश दिया जाता है। यह पर्व एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी देता है। मनुष्य को अपने भीतर मौजूद क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार और नकारात्मकता जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए। बाहरी सफाई के साथ मन की सफाई भी आवश्यक है।

**तीसरा दिनः दीपावली — प्रकाश, लक्ष्मी और मंगलकामना का महापर्व**

इस दिन घरों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों में दीप प्रवलित किए जाते हैं। मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा होती है। रंगोली, बंदनवार, मिठाइयां और पारिवारिक मिलन इस उत्सव को सामाजिक उल्लास प्रदान करते हैं। व्यापारी वर्ग के लिए भी दीपावली का विशेष महत्व है। कई व्यापारिक समुदायों में नए बहीखातों का पूजन और नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत की परंपरा है।

दीपावली की खूबसूरती यह भी है कि अलग-अलग राज्यों में इसकी धार्मिक अभिव्यक्ति अलग दिखाई देती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम में दीपावली की रात मां काली की आराधना का विशेष महत्व है। यहां काली पूजा बड़े धार्मिक आयोजन के रूप में होती है। दूसरी ओर पंजाब में इसी अवसर पर सिख समुदाय बंदी छोड़ दिवस मनाता है। यह दिन छठे सिख गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी की ग्वालियर के किले से मुक्ति और उनके साथ 52 राजाओं की रिहाई की स्मृति से जुड़ा है। अमृतसर स्थित श्री हरिमंदिर साहिब और अन्य गुरुद्वारों में विशेष प्रकाश सज्जा, कीर्तन और धार्मिक आयोजन होते हैं। जैन समुदाय के लिए भी दीपावली का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। जैन परंपरा के अनुसार 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने इसी दिन बिहार के पावापुरी में निर्वाण प्राप्त किया था। इस कारण जैन समाज दीपावली को निर्वाण महोत्सव के रूप में भी मनाता है। इस प्रकार एक ही पर्व भारत की अलग-अलग धार्मिक परंपराओं में विविध अर्थ ग्रहण करता है।

**चौथा दिनः गोवर्धन पूजा — प्रकृति, पशुधन और अन्न के प्रति कृतज्ञता**

दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का आयोजन किया जाता है। इसका संबंध भगवान श्रीकृष्ण की उस पौराणिक लीला से है, जिसमें उन्होंने ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी कनिष्ठा अंगुली पर धारण किया था। इस प्रसंग के माध्यम से प्रकृति, पर्वत, वनस्पति, जल और पशुधन के संरक्षण का संदेश मिलता है।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। मंदिरों में अन्नकूट सजाया जाता है, जिसमें विभिन्न प्रकार के पकवान भगवान को अर्पित किए जाते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में वितरित होते हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात में इस दिन का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष भी है। यहां बलिप्रतिपदा या पड़वा के रूप में राजा बलि की स्मृति से जुड़ी परंपराएं प्रचलित हैं। महाराष्ट्र में कई परिवारों में इस अवसर पर पति-पत्नी के संबंधों का उत्सव भी मनाया जाता है। गुजरात में दीपावली के आसपास गुजराती नववर्ष का आगमन होता है और व्यापारी वर्ग नए बहीखातों की शुरुआत करता है। छत्तीसगढ़ में दीपोत्सव का यह दिन ग्रामीण संस्कृति और पशुधन से विशेष रूप से जुड़ा हुआ है। यहां गोवर्धन पूजा के साथ गौरा-गौरी पूजा और राउत समुदाय की लोकपरंपराएं भी देखने को मिलती हैं। पशुओं को सजाना, उनकी पूजा करना और पारंपरिक राउत नृत्य प्रस्तुत करना इस उत्सव को विशिष्ट पहचान देता है।

**पांचवां दिनः भाई दूज — रिश्तों की मिठास और स्नेह का उत्सव**

कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाई दूज मनाई जाती है। इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे थे। यमुना ने उनका स्वागत किया और उनके सुखी एवं दीर्घ जीवन की कामना की। तभी से भाई दूज पर बहनों द्वारा भाइयों को तिलक लगाकर उनकी मंगलकामना करने की परंपरा प्रचलित मानी जाती है। इस दिन बहनें भाइयों का तिलक करती हैं, आरती उतारती हैं और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहनों को उपहार देकर उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त करते हैं। महाराष्ट्र में इसे भाऊबीज, जबकि नेपाल में इससे मिलती-जुलती परंपरा भाई टीका के रूप में प्रचलित है। पांच दिनों का यह अंतिम पर्व हमें याद दिलाता है कि त्योहारों की वास्तविक मिठास महंगे उपहारों या भव्य आयोजनों में नहीं, बल्कि रिश्तों में समय देने, एक-दूसरे की चिंता करने और परिवार के बीच भावनात्मक निकटता बनाए रखने में है।

**परंपराओं से आगे बढ़कर जीवन का उत्सव**

पांच दिवसीय दीपोत्सव का विस्तार भारतीय संस्कृति की बहुलता और उसकी समन्वयकारी प्रकृति को समझने का अवसर प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में सरयू तट पर दीपोत्सव और चित्रकूट में रामघाट पर दीपदान की परंपरा आस्था के साथ सांस्कृतिक विरासत का भी परिचय देती है। वाराणसी में कार्तिक पूर्णिमा के आसपास मनाया जाने वाला देव दीपावली उत्सव भी दीपों की भारतीय परंपरा को एक अलग आयाम देता है। दक्षिण भारत में नरक चतुर्दशी का विशेष महत्व है, जबकि पश्चिम भारत में बलिप्रतिपदा और पड़वा की परंपराएं उत्सव को अलग पहचान प्रदान करती हैं। इन सभी परंपराओं के बीच एक बात समान है–दीप केवल घरों को रोशन करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता लाने का प्रतीक है। आज जब समाज आर्थिक प्रतिस्पर्धा, पर्यावरणीय चुनौतियों, पारिवारिक व्यस्तताओं और सामाजिक तनावों से गुजर रहा है, तब दीपोत्सव के संदेश और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। त्योहारों को केवल बाजार और उपभोग तक सीमित कर देना उनकी मूल भावना को संकुचित करना होगा। मिट्टी के दीयों को प्रोत्साहन देना, स्थानीय कारीगरों से खरीदारी करना, जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां बांटना, पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाना और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना इस पर्व की सार्थकता को और बढ़ा सकता है। दरअसल, धनतेरस हमें आरोग्य और समृद्धि का महत्व समझाता है, नरक चतुर्दशी बुराइयों से मुक्ति की प्रेरणा देती है, दीपावली सत्य और प्रकाश की विजय का विश्वास जगाती है, गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञ बनाती है और भाई दूज रिश्तों की अहमियत याद दिलाती है। पांच दिनों में समाहित ये पांच संदेश भारतीय जीवन दर्शन का ऐसा परिचय हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता आया है। दीपोत्सव का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब घरों में जलने वाले दीपों के साथ हमारे विचारों, व्यवहार और सामाजिक संबंधों में भी उजाला दिखाई दे। आखिरकार, दीपावली की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितने दीप जलाए, बल्कि इस बात में है कि हमारे प्रयासों से कितने जीवन रोशन हुए।

क्योंकि कहा भी गया है अपने लिए जिए तो क्या जिए ए दिल तू जी जमाने के लिए जी भरकर जी

**– वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी**

# धनतेरस से भाई दूज तक छह दिनों का दीपोत्सव महाकुंभ

दीपावली का वैश्विक महाविस्तार !अयोध्या से अमेरिका तक दीपों की जगमगाहट,व्हाइट हाउस में ट्रंप का दीपोत्सव, भारतीय संस्कृति के सामने दुनियाँ नतमस्तक? -छह दिनों के महापर्व में धन्वंतरि से लक्ष्मी- गणेश, गोवर्धन और भाई दूज तक छिपा है जीवन का महान दर्शन ! सनातन संस्कृति, वैदिक ज्ञान,आरोग्य, गौसेवा, पर्यावरण और पारिवारिक रिश्तों का अद्भुत संगम ! -समग्र व्यापक महा-विश्लेषण



धनतेरस का धमाल,दीपावली की जगमगाहट और भाई दूज के रिश्तों की मिठास !अमेरिका के व्हाइट हाउस तक पहुंची भारतीय परंपरा, ट्रंप सहित पांच राज्यों के गवर्नर और 20 से अधिक मेयर भी हुए भारतीय संस्कृति के मुरीद आस्था,अध्यात्म, आरोग्य,समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण का वैश्विक संदेश !

भारतीय संस्कृति का वैश्विक सम्मान ! धनतेरस से भाई दूज तक छह दिनों का महापर्व, बाजारों में धनवर्षा की उम्मीद, प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और बुजुर्गों के सम्मान का अनूठा संदेश !व्हाइट हाउस में ट्रंप का दीप प्रज्वलन, अमेरिकी गवर्नरों और मेयरों का उत्सवी स्वागत क्या दीपावली अब दुनियाँ का सांस्कृतिक महापर्व बन रही है?

वैश्विक स्तरपर धनतेरस से दीपावली और भाई दूज तक- छह दिनों का आध्यात्मिक,सांस्कृतिक और सामाजिक महोत्सव 6 नवंबर 2026 शुक्रवार को धनतेरस के साथ छह दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ हो गया है,जिसका समापन 11 नवंबर बुधवार को भाई दूज के साथ होगा।भारत में दीपावली केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं,बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत, वैदिक दर्शन,पारिवारिक एकता, आर्थिक गतिविधियों पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक सद्भाव का अद्भुत संगम है।इस दौरान देश के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों और गांवों तक बाजारों की रौनक,घरों की सजावट दीपों की जगमगाहट,पूजा-अर्चना और खरीदारी का उत्साह देखते ही बनेगा।धनतेरस पर सोना,चांदी, पीतल, तांबा और नए बर्तनों की खरीदारी की परंपरा भारतीय परिवारों में समृद्धि और शुभारंभ की कामना का प्रतीक है। इसी

किशन सनमुखदास भावनानी

दिन भगवान धन्वंतरि की आराधना करके आरोग्य और दीर्घायु की मंगलकामना बहुत ही भावपूर्ण मन से की गई। इस प्रकार दीपोत्सव का पहला संदेश ही स्पष्ट है कि वास्तविक धन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि स्वस्थ शरीर,प्रसन्न मन और संतुष्ट परिवार भी है। मैं एडवोकेट किशन षणमुख दास भावना की गोंदिया महाराष्ट्र 6 नवंबर 2026 को शाम 6 बजे बाजारों की ग्राउंड रिपोर्टिंग कर पाया कि धनतेरस से दीपोत्सव का शंखनाद हुआ,आस्था के साथ बाजारों में आर्थिक गतिविधियों का महाकुंभ !दीपावली का आगमन भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी विशेष महत्व रखता है।आभूषण वस्त्र,इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन,घरेलू उपकरण, मिठाइयों सजावटी सामग्री, मिट्टी के दीपकों और हस्तशिल्प से जुड़े व्यापारियों के लिए यह वर्ष का महत्वपूर्ण कारोबारी अवसर होता है।छोटेदुकानदारों,कारीगरों,कुम्हारों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों को भी इस पर्व से रोजगार तथा आय के अवसर मिलते हैं। इसलिए दीपावली पर स्थानीय दुकानदारों और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देना आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सार्थक कदम हो सकता है।हालांकि उत्सव की चमक के बीच अनावश्यक कर्ज,दिखावे और प्रतिस्पर्धात्मक खरीदारी से सटिका से बचना भी आवश्यक है।

साथियों,समृद्धि का वास्तविक अर्थ अपनी सामर्थ्य के अनुसार खर्च करना और खुशियां बांटना है।धन्वंतरि का अवतार और वैदिक दर्शन- आरोग्य ही जीवन का सबसे बड़ा धन !पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद का प्रवर्तक और भगवान विष्णु का अंशावतार माना जाता है। धनतेरस पर उनकी पूजा का गहरा संदेश यह है कि मनुष्य को धन अर्जित करने के साथ अपने स्वास्थ्य की रक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। भारतीय परंपरामें पंचमहाभूत अर्थात आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को जीवन तथा प्रकृति का आधार माना गया है। इन तत्वों के संतुलन और स्वच्छ पर्यावरण के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना संभव नहीं।इसी दिन प्रदोषकाल में यमदीपदान, मां लक्ष्मी और कुबेर की पूजा की परंपरा भी प्रचलित है। दीपदान को जीवन में शुभता, सुरक्षा और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

साथियों, दीपावली का वैदिक रहस्य- अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय ! दीपावली का आध्यात्मिक आधार केवल बाहरी रोशनी तक सीमित नहीं है।उपनिषदों में वर्णित प्रार्थना तमसो माँ ज्योतिर्गमय अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, इस पर्व के मूल दर्शन को अभिव्यक्त करती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम चौदह वर्षों का वनवास पूरा करके और रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्या वासियों ने दीप प्रज्वलित किए और तभी से दीपोत्सव की परंपरा को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त हुई।मां महालक्ष्मी के आठ स्वरूपों आद्यालक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी,सौभाग्यलक्ष्मी,अमृतलक्ष्मी कामलक्ष्मी, सत्यलक्ष्मी,भोगलक्ष्मी और योगलक्ष्मी की अवधारणा समृद्धि के व्यापक अर्थ को सामने रखती है। वास्तविक लक्ष्मी केवल धन-संपत्ति नहीं, बल्कि विद्या,सौभाग्य, सदाचार स्वास्थ्य, संतोष और आध्यात्मिक उन्नति भी हैं।

# भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की शृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण।

**फीचर**



# दीवाली पर इस प्रकार करें पूजा

दीवाली पर मां लक्ष्मी, सरस्वती एवं गणेशजी की विशेष पूजा विधी से अर्चना कर उनसे सुख-समृद्धि, बुद्धि तथा घर में शांति, तरक्की का वरदान मांगा जाता है

दीवाली पर मां लक्ष्मी, सरस्वती एवं गणेशजी की पूजा की जाती है। इन दिन इन तीनों देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना कर उनसे सुख-समृद्धि, बुद्धि तथा घर में शांति, तरक्की का वरदान मांगा जाता है। दीवाली पर देवी-देवताओं की पूजा में कुछ विशेष बातों का ध्यान रखा जाता है जो निम्न प्रकार हैं-

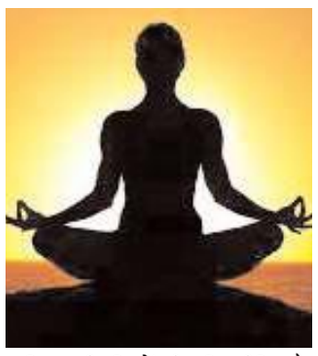
**दीवाली पूजा हेतु पूजन सामग्रीः** दीवाली पूजा के सामान की लगभग सभी चीजें घर में ही मिल जाती हैं। कुछ अतिरिक्त चीजों को बाहर से लाया जा सकता है। ये वस्तुएं हैं- लक्ष्मी, सरस्वती व गणेश जी का चित्र या प्रतिमा, रोली, कुमकुम, चावल, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, मिट्टी तथा तांबे के दीपक, रुई, कलावा (मौलि), नारियल, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूँ, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, घृत, पंचामृत, दूध, मेवे, खील, बताशे, गंगाजल, यज्ञोपवीत (जनेऊ), श्वेत वस्त्र, इत्र, चौकी, कलश, कमल गट्टे की माला, शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का, देवताओं के प्रसाद हेतु मिष्ठान्न

ये है दीवाली की पूजा विधि। दीवाली की पूजा में सबसे पहले एक चौकी पर सफेद वस्त्र बिछा कर उस पर मां लक्ष्मी, सरस्वती व गणेश जी का चित्र या प्रतिमा को विराजमान करें। इसके बाद हाथ में पूजा के जलपात्र से थोड़ा-सा जल लेकर उसे प्रतिमा के ऊपर निम्न मंत्र पढ़ते हुए छिड़कें। बाद में इसी तरह से स्वयं को तथा अपने पूजा के आसन को भी इसी तरह जल छिड़ककर पवित्र कर लें। इसके बाद मां पृथ्वी को प्रणाम करके निम्न मंत्र बोलें तथा उनसे क्षमा प्रार्थना करते हुए अपने आसन पर विराजमान हों ? पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता। त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम॥ पृथिव्यै नमः आधारशक्तये नमः इस पूरी प्रक्रिया के बाद मन को शांत कर आंखें बंद करें तथा मां को मन ही मन प्रणाम करें।

## प्रेरणा

# अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।



उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज ! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग ! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया। कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

## अपनी बात



मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दीपोत्सव के पावन पर्व पर कहा कि हम सब परमात्मा की कृपा और अपने सामर्थ्य व समृद्धि से गरीब से गरीब आदमी के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, सभी के काम आएं और जियो और जीने दो के भाव को बढ़ाएं, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पहला सुख निरोगी काया को माना गया है। स्वस्थ शरीर ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था से जोड़ने का काम हो रहा है।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं की खुशहाली की कामना की गई। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुए, यही प्रार्थना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर परिवार के जीवन में सुख और समृद्धि बनी रहे।

## जून में ही दिल्ली पुलिस ने एमसीडी को दी थी अवैध निर्माण की सूचना

# हौजकाजी इमारत हादसे में छह की मौत

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के अजमेरी गेट स्थित हौजकाजी की सत्तारा गली में इमारत ढहने का हादसा अब बेहद दर्दनाक मोड़ पर पहुंच गया है। मलबे में दबे लोगों की तलाश के दौरान छह शव बरामद किए जा चुके हैं। सभी छह मृतकों की पहचान भी कर ली गई है। हादसे में दो अन्य लोगों को घायल अवस्था में सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया था। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। इस बीच मामले में एक और गंभीर तथ्य सामने आया है कि घटनास्थल पर कथित अवैध निर्माण को लेकर दिल्ली पुलिस ने करीब पांच महीने पहले ही नगर निगम को पत्र लिखकर आगाह किया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने को लेकर अब संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस और बचाव एजेंसियों की ओर से लगातार मलबा हटाने तथा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। भारी मलबे और इमारत के ढांचे की स्थिति को देखते हुए बचावकर्मी बेहद सावधानी के साथ काम कर रहे हैं। हादसे के बाद से ही दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।



- **इमारत मालिक सईमुल्लाह उर्फ अयूब भी गिरफ्तार**

इस मामले में पुलिस ने इमारत के मालिक सईमुल्लाह उर्फ अयूब पुत्र स्वर्गीय कुदरतुल्लाह को भी गिरफ्तार किया है। वह मकान नंबर 4748, गली शीश महल, गली शाहतारा, अजमेरी गेट, दिल्ली का निवासी है। पुलिस की कार्रवाई के बाद अब हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच तेज हो गई है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, मामले में गिरफ्तार तीन ठेकेदारों की पहचान सिराज पुत्र स्वर्गीय अब्दुल शकूर, ताजुद्दीन पुत्र समिउद्दीन और फरकान पुत्र अब्दुल हफीज के रूप में हुई है। सिराज का पता मकान नंबर 4282, गली सितारा, अजमेरी गेट, दिल्ली है। ताजुद्दीन मकान नंबर 4409, गली सितारा, अजमेरी गेट का निवासी है, जबकि फरकान मकान नंबर 2994, गली नल वाली, शाहगंज चौक, अजमेरी गेट, दिल्ली-6 का रहने वाला है।

- **एफआईआर में बीएनएस की चार धाराओं के तहत मामला दर्ज**

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर संख्या 0435/2026 5 नवंबर 2026 को थाना हौजकाजी में दर्ज की है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105, 290, 125(ए) और 3(5) के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस चारों आरोपियों की भूमिका और हादसे के पीछे की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

### 15 जून को ही पुलिस ने एमसीडी को लिखा था पत्र

इस हादसे के बाद सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह सामने आई है कि दिल्ली पुलिस ने घटनास्थल पर कथित अवैध निर्माण को लेकर जून महीने में ही नगर निगम को सूचित किया था। जानकारी के मुताबिक, 15 जून को हौजकाजी थाने के तत्कालीन एसएचओ ने सिटी सदर पहाड़गंज जोन के नगर निगम अधिकारियों को पत्र लिखकर वहां हो रहे निर्माण के संबंध में जानकारी दी थी। बताया गया है कि पत्र में जमीन के मालिक और ठेकेदार फरकान का नाम भी उल्लेखित किया गया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने की बात सामने आने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि पुलिस की सूचना मिलने के बाद नगर निगम के संबंधित अधिकारियों ने क्या कार्रवाई की थी? यदि समय रहते निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाते तो क्या इस दर्दनाक हादसे को टाला जा सकता था? इन सवालों के जवाब अब जांच के दायरे में महत्वपूर्ण होंगे।

### छह मृतकों की हुई पहचान

हादसे में जान गंवाने वाले छह लोगों की पहचान सामने आई है। इनमें बिहार के खगड़िया और सहरसा जिले के रहने वाले श्रमिकों के साथ दिल्ली के मंडावली क्षेत्र का निवासी भी शामिल है।

- संजीत कुमार पुत्र खोखो राम, निवासी गांव हनुमान नगर, थाना बेलदौर, जिला खगड़िया, बिहार।
- किशोरी साह पुत्र तिलो साह, निवासी गांव चौथमबासा, थाना काशनगर, जिला सहरसा, बिहार।
- पंकज शर्मा पुत्र हजारी शर्मा, निवासी गांव भोसवाहा, थाना बेलदौर, जिला खगड़िया, बिहार।
- विपिन राम पुत्र विलास राम, निवासी साकेत ब्लॉक, मंडावली, फाजिलपुर, दिल्ली।
- शांतू पुत्र शंकर मुखिया, निवासी गांव हनुमान नगर, थाना बेलदौर, जिला खगड़िया, बिहार।
- दिनेश साह पुत्र पुलिस शाह, निवासी गांव टोला हनुमान नगर, नचिहारी, जिला खगड़िया, बिहार।

हौजकाजी की सत्तारा गली में हुआ यह हादसा छह परिवारों को जिंदगी भर का दर्द दे गया। एक तरफ छह लोगों की मौत और दो लोगों के घायल होने की घटना ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी है, वहीं दूसरी तरफ हादसे से करीब पांच महीने पहले पुलिस की ओर से नगर निगम को अवैध निर्माण की सूचना दिए जाने का तथ्य भी सामने आया है।

अब पुलिस की गिरफ्त में तीन ठेकेदारों और इमारत मालिक के आने के बाद जांच का दायरा और महत्वपूर्ण हो गया है। यह पता लगाना जरूरी होगा कि निर्माण किसकी अनुमति से कराया जा रहा था, सुरक्षा नियमों की अनदेखी किस स्तर पर हुई और पहले दी गई शिकायत पर संबंधित विभागों ने क्या कार्रवाई की। इस दर्दनाक हादसे में जिम्मेदारी तय होना मृतकों के परिजनों को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

# केंद्रीय मंत्री ने यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का किया दौरा



**नई दिल्ली ।** केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने की तैयारियों, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण करने के लिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन का दौरा किया।

मंत्री वैष्णव ने निरीक्षण के दौरान यात्रियों से संवाद कर उनकी सुविधाओं के बारे में फीडबैक भी ली। याद रहे कि आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर हर साल त्योहारों के मुख्य समय, विशेष रूप से दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की भारी आवाजाही होती है।

त्योहारों पर भीड़ की अधिकता को देखते हुए और सुविधाओं का सुचारू संचालन और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने स्टेशन परिसर में नए विकसित होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्र) जैसी व्यापक व्यवस्थाएं लागू की हैं। केंद्रीय मंत्री

- **दिवाली और छठ पर भीड़ नियंत्रण के लिए रेलवे ने होल्डिंग एरिया और अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था की**

अश्विनी वैष्णव ने उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के बारे में प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया (फ़ीडबैक) लेने के लिए यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे यात्री सुविधाओं को उन्नत करने और यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए दिन-प्रतिदिन निरंतर सुधार कर रही है।

उन्होंने बताया कि दीपावली सहित छठ पूजा पर्व में यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन शुरू किया गया है, साथ ही रेलवे सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती बढ़ाई गई है ताकि त्योहारों के दौरान सुरक्षा और सुगम भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

# पुलिस आयुक्त ने आदर्श नगर और शालीमार बाग थाने में मनाई दिवाली

- **जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं**
- **पुलिसकर्मियों का बढ़ाया उत्साह और दीपावली की दी शुभकामनाएं**

**नई दिल्ली।** दीपावली के अवसर पर दल्ली पुलिस आयुक्त ने उत्तर-पश्चिम जिला स्थित आदर्श नगर और शालीमार बाग थाने का दौरा कर पुलिसकर्मियों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को मिठाइयां वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

पुलिस आयुक्त ने दोनों थानों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने त्योहार के दौरान कानून-



व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिसकर्मियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ ड्यूटी करने के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने जनसुनवाई में भी हिस्सा लिया। उन्होंने वहां पहुंचे नागरिकों की शिकायतें और समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आम जनता की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करने और लोगों के साथ बेहतर संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। पुलिस आयुक्त के थाने पहुंचने से पुलिसकर्मियों में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षित एवं खुशहाल दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए जनसेवा और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करने का संदेश दिया।

# दिल्ली के सभी स्कूलों में 5वीं तक हाइब्रिड पढ़ाई अनिवार्य

**नई दिल्ली।** दल्ली की जहरीली होती हवा ने अब बच्चों के स्कूल पहुंचने पर भी ब्रेक लगा दिया है। प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार ने पांचवीं तक के विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। अब इन बच्चों को हर हाल में स्कूल जाकर पढ़ाई करने की बाध्यता नहीं होगी। अभिभावक चाहें तो बच्चों को स्कूल भेज सकेंगे या ऑनलाइन क्लास के जरिए घर पर ही पढ़ाई करा सकेंगे।शिक्षा दिनेशालय ने सर्कुलर जारी कर यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी है। यह आदेश अगले दिर्नेश तक जारी रहेगा।

शिक्षा निदेशालय का आदेश सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होगा। इसके दायरे में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के स्कूल भी शामिल हैं। स्कूल प्रमुखों को अभिभावकों तक तत्काल सूचना पहुंचाने के निर्देश दिए

- **ऑनलाइन या ऑफलाइन क्लास का विकल्प अभिभावकों के पास**

गए हैं। जिला और जोन स्तर के शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों का निरीक्षण कर आदेश का पालन सुनिश्चित कराना होगा। ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध होने पर बच्चे घर से भी कक्षाओं में शामिल हो सकेंगे।

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब दिल्ली की हवा लगातार बिगड़ रही है। शुक्रवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 382 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और आने वाले दिनों में प्रदूषण बढ़ने के पूर्वानुमान को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने गत शुक्रवार को पूरे एनसीआर में ग्रैप का तीसरा चरण लागू किया। हालांकि, शिक्षा निदेशालय का 6 नवंबर को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर हाइब्रिड कक्षाओं का सर्कुलर सूचीबद्ध है।

# 12 मुकदमों में शामिल अपराधी गिरफ्तार, पुलिस ने तकनीकी निगरानी से दबोचा

**नई दिल्ली।**

बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक भगौड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान खेम करण उर्फ बबलू (25 वर्ष) के रूप में हुई है। वह नंद नगरी की सुंदर नगरी का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ पहले से 12 आपराधिक मामलों में संलिप्तता सामने आई है।

पुलिस के अनुसार खेम करण वर्ष 2018 में महेंद्र पार्क थाने में दर्ज मारपीट के एक मामले में वांछित था। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा में मामला दर्ज किया गया था। मामले में अदालत ने उसे भगौड़ा अपराधी करार दिया था। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि जिला पुलिस ने घोषित



अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत एएटीएस की पीओ स्टाफ टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर सूचनाएं जुटाईं और लगातार फील्ड वेरिफिकेशन किया। डिजिटल इंटेलिजेंस और जमीनी सूचनाओं के आधार पर आरोपी की लोकेशन का पता लगाया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

- **एएटीएस की टीम लंबे समय से कर रही थी तलाश**
- **महेंद्र पार्क थाने के वर्ष 2018 के मारपीट के मामले में अदालत ने घोषित किया था भगौड़ा**

यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-प्रथम लोकेश्वरन आर के मार्गदर्शन और एसीपी ऑपरेशंस दिनेश कुमार की निगरानी में की गई। एएटीएस प्रभारी इंस्पेक्टर आनंद कुमार झा के नेतृत्व में गठित टीम में एएसआई संदीप और हेड कांस्टेबल अभिषेक खत्री शामिल थे।

पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई को तकनीकी निगरानी और जमीनी सूचना तंत्र के बेहतर तालमेल का परिणाम माना जा रहा है।

# पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाएं: यादव

**नई दिल्ली।** दल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी के लोगों को दविाली की शुभकामनाएं देते हुए उनके खुशहाल और समृद्ध भविष्य की कामना की।

उन्होंने दिल्लीवासियों से मिठाइयां बांटकर और दीये जलाकर सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने लोगों से पटाखे नहीं जलाने और प्रदूषण को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों से दूर रहने का आग्रह किया। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण की रक्षा और जहरीली हवा से बचाव को प्राथमिकता दे।

उन्होंने कहा कि त्योहार की खुशियां मनाते समय लोगों को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ दूसरों की सेहत का भी ध्यान रखना

- **पटाखों से दूरी बनाकर पर्यावरण और स्वास्थ्य की रक्षा करें लोग**

चाहिए। पटाखे जलाने से वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, जिसका असर विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों पर पड़ सकता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति चिंता व्यक्त की है।

# दिवाली पर पटाखे जलाने से पहले रहें सावधान !

**नई दिल्ली।** दीपावली पर आतिशबाजी का शौक कहीं आपको कानूनी मुसीबत में न डाल दे। दल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए पटाखों को लेकर सख्त प्रतिबंध लागू हैं। ऐसे में प्रतिबंधित पटाखों का इस्तेमाल करना महंगा पड़ सकता है।नियमों का उल्लंघन करने वालों को तीन साल तक की जेल और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। इस साल दल्ली- में कुछ शर्तों के साथ केवल

- **प्रतिबंधित पटाखों से हो सकती है 3 साल की जेल, लगेगा भारी जुर्माना**

प्रमाणित ग्रीन पटाखों को ही सीमित समय के लिए मंजूरी दी है।

7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे तक ही प्रमाणित ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति है। 9 नवंबर से फिर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा।

### इन पटाखों पर है पूरी तरह रोक

- बेरियम युक्त पटाखे।
- तेज आवाज और अधिक धुआं फैलाने वाले पारंपरिक पटाखे।
- लंबी लड़ियां और प्रतिबंधित पटाखे।
- CSIR-NEERI से प्रमाणित नहीं किए गए पटाखे।
- अवैध रूप से बेचे या ऑनलाइन खरीदे गए पटाखे।

अस्पतालों, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, स्कूल-कॉलेजों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने की अनुमति नहीं है। इन क्षेत्रों को नो-क्रैकर जोन घोषित किया गया है।

प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री, भंडारण और कारोबार करने वालों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई हो सकती है। संबंधित कानूनी प्रावधानों में पांच हजार रुपये तक जुर्माना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान बताया गया है। वहीं, प्रतिबंधित पटाखे जलाने पर भी नियमानुसार कार्रवाई हो सकती है।

प्रशासन और पुलिस की टीमें नियमों का पालन कराने के लिए निगरानी कर रही हैं। ऐसे में लोगों को सलाह है कि पटाखे खरीदने से पहले उनकी प्रमाणिकता जरूर जांचें और निर्धारित समय तथा स्थान के नियमों का पालन करें।

**खतरा** | **नरेला समेत कई इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में, कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार**

# दिवाली से पहले दिल्ली-एनसीआर की हवा हुई दमघोंटू

- **ग्रैप -3 लागू होने के बावजूद प्रदूषण से राहत नहीं**
- **आईआईटी दिल्ली में 442 पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक**

**नई दिल्ली।** दविाली से ठीक पहले राष्ट्रीय राजधानी दल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राजधानी की हवा एक बार फिर द मघोंटू हो गई है। हालात ऐसे हैं कि सुबह घरों से बाहर निकलने वाले लोगों को प्रदूषित हवा का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पार पहुंच गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है।

प्रदूषण की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड




रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा चरण लागू किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण के स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दे रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह छह बजे दिल्ली के कई निगरानी केंद्रों पर ए क्यू आई 400 से अधिक दर्ज किया गया। इनमें आईआईटी दिल्ली में सबसे अधिक 442 ए क्यू आई रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा पंजाबी बाग में 433, मुंडका में 421, रोहिणी में 418, आरके पुरम में 417, सोनिया विहार में 414 और नजफगढ़ में 413 दर्ज किया गया। बवाना और द्वारका में वायु गुणवत्ता सूचकांक 411 रहा।

राजधानी के अन्य इलाकों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। नरेला में ए क्यू आई 409, पटपड़गंज में 403 और अलीपुर में 402 दर्ज किया गया। इन सभी इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में रही। वहीं चांदनी चौक और मंदिर मार्ग में ए क्यू आई 397, जेएनयू में 393, बुराड़ी में 392, आया नगर में 383 और मथुरा रोड में 382 रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा नांगलोई में 364 और आईजीआई एयरपोर्ट पर 340 ए क्यू आई दर्ज हुआ।

इसी तरह वजीरपुर में 337, शादीपुर में 324, अशोक विहार में 320 और बदरपुर में 316 वायु गुणवत्ता सूचकांक रहा। लोधी रोड में ए क्यू आई 278 और आनंद विहार में 276 दर्ज किया गया। इन दोनों इलाकों में भी हवा खराब श्रेणी में बनी हुई है।

### ग्रैप -3 के बावजूद चुनौती बरकरार

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ग्रैप का तीसरा चरण लागू होने के बावजूद राजधानी के कई इलाकों में ए क्यू आई का 400 के पार बने रहना चिंता का विषय है। दिवाली से पहले प्रदूषण के इस स्तर ने प्रशासन के सामने भी चुनौती खड़ी कर दी है। एक तरफ त्योहार के मद्देनजर बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर खराब हवा के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हवा की गुणवत्ता पर मौसम संबंधी परिस्थितियों का भी असर पड़ता है। हवा की गति कम होने और प्रदूषक तत्वों के वातावरण में जमा होने से प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। ऐसे में आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति भी दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। दिवाली से पहले प्रदूषण के इन आंकड़ों ने राजधानी में स्वच्छ हवा और प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण उपायों की जरूरत को एक बार फिर सामने ला दिया है।

# दिल्ली की हवा में घुलती धूल पर एमसीडी का पानी वाला वार

- **सड़कों पर उतरे वाटर स्प्रिंकलर**

**नई दिल्ली।** दल्ली में प्रदूषण के खिलाफ अब एमसीडी ने सड़क से उठने वाली धूल को निशाने पर लिया है।साउथ-ईस्ट जोन में हवा में उड़ती धूल को दबाने के लिए वाटर स्प्रिंकलर उतारे गए हैं। इसके साथ सड़कों की सफाई, फुटपाथों से धूल हटाने और सार्वजनिक स्थानों की डीप क्लीनिंग कराई जा रही है।निगम का फोकस अब सिर्फ कूड़ा हटाने तक सीमित नहीं, बल्कि सड़कों पर जमी धूल को हवा में फैलने से रोकने पर भी है।

एमसीडी की टीमों ने साउथ-ईस्ट जोन के वार्ड 142, 174, 178 और 180 में विशेष डीप क्लीनिंग अभियान चलाया। ईस्ट ऑफ कैलाश में सड़कों, फुटपाथों और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई। इसमें झाड़ू लगाने, जमा धूल हटाने और पानी के छिड़काव की कार्रवाई शामिल रही।

### डिप्टी कमिश्नर ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

साउथ-ईस्ट जोन के डिप्टी कमिश्नर ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई स्थानों का निरीक्षण कर सफाई और डीप क्लीनिंग की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था और धूल नियंत्रण को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। एमसीडी की इस कवायद में असली चुनौती अभियान को रोजाना की व्यवस्था में बदलने की है। पानी का छिड़काव और धूल की सफाई लगातार होने पर ही सड़कों से उड़ने वाली धूल पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। एमसीडी सभी जोन में नियमित सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि सड़कों पर धूल और गंदगी जमा न हो।

## नगरीय विकास के उत्कृष्ट कार्यों और नवाचारों को मिलेगी नई पहचान

लखनऊ। नगरों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों, नवाचारों और नगरीय विकास की नई पहल को प्रदेशभर में साझा करने के उद्देश्य से नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगरीय निकाय निदेशालय एवं नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका 'नगरीय सिंधु' का शुभारंभ किया। इस पत्रिका के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों, विकासपरक योजनाओं, नवाचारों तथा नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का नियमित आदान-प्रदान किया जाएगा श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नगरों में स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं, जलापूर्ति, सीवरेज, पर्यावरण संरक्षण और नगरीय प्रबंधन के क्षेत्र में अनेक अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों और नवाचारों की जानकारी दूसरे नगरीय निकायों तक पहुंचना आवश्यक है, ताकि एक नगर में अपनाई गई अच्छी पहल दूसरे नगरों के लिए भी प्रेरणा बन सके। 'नगरीय सिंधु' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगी। नगरीय विकास केवल आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए बेहतर प्रबंधन, आधुनिक तकनीक, नवाचार और प्रशिक्षित मानव संसाधन भी आवश्यक हैं। नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण देकर उनकी कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाई जा रही है। पत्रिका में प्रशिक्षण से संबंधित जानकारियों के प्रकाशन से नगरीय निकायों के कार्मिकों को भी लाभ मिलेगा। इस पहल के लिए नगरीय निकाय निदेशालय एवं नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान की टीम को बधाई देते हुए अपेक्षा की कि पत्रिका को नियमित, ज्ञानवर्धक और उपयोगी बनाया जाए, जिससे प्रदेश के सभी नगरीय निकाय इससे लाभान्वित हो सकें।

# दिवाली से एक दिन पहले 500 महिलाओं को राशन किट-कपड़े मिलें

लखनऊ। राजधानी में शनिवार को दिवाली से एक दिन पहले मरवह एजुकेशनल फाउंडेशन की ओर से 500 जरूरतमंद विधवा महिलाओं को दिवाली का तोहफा दिया गया। छोटी दिवाली पर आयोजित कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर और बेसहारा महिलाओं को कपड़े और एक महीने का राशन वितरित किया गया। संस्था ने महिलाओं को चिह्नित कर उनकी जरूरत के मुताबिक सहायता पहुंचाई। मौलाना मनाजीरूल ने कहा कि कमजोरों और जरूरतमंद लोगों की मदद करना इबादत का हिस्सा होता है। हर साल संस्था लोगों की मदद के लिए आगे आती है। कार्यक्रम में दारुल उलूम नदवा के उलमा और सामाजिक कार्यकर्ता संदीप पांडेय मौजूद रहे। संस्था के अध्यक्ष मौलाना मनाजीरूल नदवी ने बताया कि फाउंडेशन पिछले 20 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण के क्षेत्र में काम कर रहा है। इसी



कड़ी में 500 गरीब, असहाय और जरूरतमंद विधवा महिलाओं को दीपावली उपहार और राशन किट दी गई। मौलाना मनाजीरूल नदवी ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना हर व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी है। दिवाली के मौके पर मोहब्बत का दीप जलाने की कोशिश की गई है। छोटी दिवाली पर हिंदू समाज की विधवा माताओं और बहनों को एकत्र कर छोटी सी मदद पहुंचाई गई। उन्होंने कहा कि कोई भी त्योहार किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं होता। सभी लोग एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर खुशियां बांटते हैं। यही गंगा-जमुनी तहजीब है। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप पांडेय ने कहा कि त्योहार मोहब्बत और भाईचारा बांटने का नाम है। मदद करते समय धर्म और जाति नहीं, बल्कि इंसानियत को प्राथमिकता देनी चाहिए। संस्था का यह प्रयास सराहनीय है।

उन्होंने लोगों से भी अपील की कि समय-समय पर समाज के कमजोर वर्गों की आर्थिक मदद के लिए आगे आएं। त्योहार आपसी गिले-शिकवे दूर करने और जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाने का अवसर होते हैं।

## समाधान दिवस में एसडीएम ने की सुनवाई

लखनऊ। राजधानी की सरोजनीनगर तहसील में शनिवार को हुए संपूर्ण समाधान दिवस में ज्यादातर अधिकारी मौजूद नहीं थे।



फरियादी भी कम पहुंचे और कुछ लोग ही शिकायतें लेकर आए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम अभिषेक सिंह ने की। अमौसी गांव स्थित श्री शीतला देवी सेवा समिति के अध्यक्ष मणिकंचन सिंह ने समिति परिसर पर अवैध कब्जे की शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के सरविंद लोधी, सुजीत लोधी और उनके साथी परिसर पर कब्जे की कोशिश कर रहे हैं। मणिकंचन सिंह के मुताबिक, आरोपियों ने समिति के सेवादार से जबरन ताला-चाबी छीन ली।

उन्होंने अध्यक्ष को गाली देने और जान से मारने की धमकी भी दी। परिसर में रखे दानपात्र से रुपये चोरी करने और चौहद्दी से छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया गया। उन्होंने समिति परिसर को कब्जे से मुक्त कराने की मांग की। बंथरा के अंबरपुर निवासी कुलजीत सिंह ने सरैया गांव में खाता संख्या 00289, खसरा संख्या 407क और रकबा 0.1450 हेक्टेयर वाली नवीन परती भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत की। उन्होंने सरैया के विपिन यादव और पवन यादव पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर निर्माण कराने का आरोप लगाया। कुलजीत सिंह के मुताबिक, तहसीलदार ने 8 मई 2026 को नोटिस जारी कर 15 दिन में निर्माण हटाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। कुलजीत ने राजस्व टीम बनाकर अवैध निर्माण हटाने की मांग की। कई अन्य लोगों ने भी शिकायतें दर्ज कराईं। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर जांच कर शिकायतों का निपटारा करने के निर्देश दिए।

## टक्कर मारने का बहाना बनाकर युवक का मोबाइल चुराया

लखनऊ। नहरिया चौराहे पर सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मारने का बहाना बनाकर दो शातिरों ने मोबाइल चोरी कर लिया। आरोपियों ने पहले युवक से विवाद किया और फिर ध्यान भटकाकर उसकी लोअर की जेब से मोबाइल निकाल लिया। वारदात के बाद दोनों स्प्लेंडर बाइक से फरार हो गए। पूरी घटना करीब 30 सेकंड में हुई। गाजीपुर के आमघाट न्यू कॉलोनी निवासी सुमित कुमार श्रीवास्तव (34) ने पुलिस को शिकायत में बताया कि 4 नवंबर की रात करीब 11.05 से 11.15 बजे के बीच वह नहरिया चौराहे पर बदनाम लड्डू वाले की दुकान के सामने डिवाइडर के पास सड़क पार कर रहे थे। उन्हें वाराणसी जाने वाली बस पकड़नी थी। इसी दौरान सफेद शर्ट पहने 20-22 साल के दुबले-पतले युवक ने कीपैड मोबाइल पर बात करने का नाटक करते हुए जानबूझकर अपना पैर उनके पैर के सामने रख दिया। हल्की टक्कर लगने के बाद आरोपी उनसे बहस करने लगा। सुमित ने अनदेखा कर आगे बढ़ने की कोशिश की तो वह उनके हाथ में पकड़े कार्टून पर बार-बार हाथ मारने लगा। इससे उनका ध्यान कार्टून की ओर चला गया। इसी बीच आरोपी ने दूसरे हाथ से उनकी लोअर की जेब से मोबाइल निकाल लिया। वारदात के दौरान आरोपी का साथी सफेद शर्ट पहने स्प्लेंडर बाइक स्टार्ट कर खड़ा था। मोबाइल निकालने वाला युवक उसके साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गया। मौके पर मौजूद एक युवक ने सुमित को जेब चेक करने के लिए कहा। इसके बाद मोबाइल चोरी होने का पता चला। उन्होंने अगले दिन वाराणसी पहुंचकर दोनों सिम कार्ड ब्लॉक करा दिए। मामले में इंस्पेक्टर कृष्णानगर का कहना है सीसीटीवी की मदद से तलाश की जा रही है।

## तमंचा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में इकोटेक-1 कोतवाली पुलिस ने शनिवार दोपहर 1 बजे एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, वह दिवाली से पहले वारदात करने की तैयारी में था। उसके पास से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने आरोपी की शाम 3 बजे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग की मदद से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास उसे पकड़ा। आरोपी की पहचान दनकौर क्षेत्र के दादूपुर गांव निवासी सुमित नागर उर्फ डीजे, पुत्र नरेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सुमित का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के अलग-अलग थानों में छह मुकदमे दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, लूट, मारपीट, धमकी, अवैध हथियार रखने और गैंगस्टर एक्ट के मामले शामिल हैं।

# सौर क्रांति की ओर यूपी, पीएम सूर्य घर योजना में देश में अव्वल यूपी में 9.53 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में उत्तर प्रदेश ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश ने संचयी रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन में गुजरात और महाराष्ट्र को पीछे छोड़ते हुए अपनी नंबर-1 की स्थिति स्थापित की है। इस दौरान यूपी नेडा डायरेक्टर रविन्दर कुमार ने बताया कि 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश में कुल 9,53,201 रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। अक्टूबर 2026 में भी प्रदेश ने 75,031 से अधिक इंस्टॉलेशन के साथ देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि प्रदेश में सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ते जनविश्वास, सरकार की प्रभावी नीतियों तथा यूपीनेडा, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, सभी विद्युत वितरण निगमों, बैंकिंग संस्थानों और सोलर वेंडर्स के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

केंद्र एवं राज्य सरकार की 8,450 करोड़ से अधिक की सब्सिडी से घर-घर सौर ऊर्जा पहुंच रही है। इस योजना की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिया जा रहा व्यापक वित्तीय सहयोग है। केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर 8,454.5 करोड़ से अधिक की सब्सिडी प्रदान की है। इसमें केंद्र सरकार की ओर से 6,254.5 करोड़ और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 2,200 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त सब्सिडी दी



गई है। केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता और उत्तर प्रदेश सरकार की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी ने आम परिवारों के लिए रूफटॉप सोलर को अधिक किफायती बनाया है। इससे बिजली खर्च में बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार को नई गति मिली है।प्रदेश में स्थापित 3,167.57 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता से प्रतिदिन लगभग 1.42 करोड़ यूनिट स्वच्छ बिजली उत्पादन का अनुमान है। यदि प्रति यूनिट बिजली का मूल्य 6.50 माना जाए, तो इसका आर्थिक मूल्य प्रतिदिन लगभग 9.26 करोड़ और सालाना लगभग 3,380 करोड़ है। इससे पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होने के साथ उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ और पर्यावरण को स्वच्छ ऊर्जा का लाभ मिल रहा है।रूफटॉप सोलर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि बिजली का उत्पादन घरों की छतों पर ही होने से बड़े भू-भाग पर सोलर पार्क विकसित करने की आवश्यकता कम होती है। उत्तर प्रदेश में स्थापित 3,167.57 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता के आधार पर, यदि समान क्षमता का ग्राउंड-माउंटेड सोलर प्लांट स्थापित किया जाता, तो लगभग 12,670 एकड़ भूमि की आवश्यकता होती। इस प्रकार रूफटॉप सोलर के माध्यम से इतनी भूमि के उपयोग की आवश्यकता से बचा जा सकता है। इससे कृषि भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही रूफटॉप सोलर से उत्पादित स्वच्छ बिजली पारंपरिक ग्रिड बिजली से जुड़े कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। वर्तमान स्थापित क्षमता से प्रतिवर्ष लगभग 35 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी का अनुमान है।पीएम सूर्य घर योजना ने प्रदेश में रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित किए हैं।

## त्योहारों से पहले पटाखे जलाने को लेकर एडवाइजरी-जारी

अमेठी' जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने त्योहारों से पहले पटाखे जलाने को लेकर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। जिलाधिकारी शशांक चौधरी ने लोगों से सावधानी बरतने और लापरवाही से बचने की अपील की है। प्रशासन ने पटाखे जलाते समय बच्चों की सुरक्षा, सुरक्षित दूरी और आग से बचाव के उपायों का ध्यान रखने को कहा है। साथ ही लोगों से पर्यावरण और आसपास रहने वाले लोगों की सेहत का ध्यान रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि पटाखे हमेशा खुले और सुरक्षित स्थान पर जलाएं। बच्चों को अकेला न छोड़ें और उन्हें बड़ों की निगरानी में ही पटाखे जलाने दें। पटाखे जलाते समय सूती कपड़े पहनें। ढीले और सिंथेटिक कपड़ों से बचें। पटाखे जलाने के लिए मोमबत्ती या लंबी फुलझड़ी का इस्तेमाल करें और उन्हें हाथ में पकड़कर न जलाएं। पटाखे घरों, दुकानों, पेट्रोल पंप, गैस सिलेंडर और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं से दूर जलाएं। इस दौरान पर्याप्त दूरी बनाए रखें और आसपास मौजूद लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। फटे या खराब पटाखों को दोबारा जलाने की कोशिश न करें। ऐसे पटाखों पर पानी डालकर सुरक्षित तरीके से हटाएं। प्रशासन ने पटाखे जलाने वाली जगह के पास पानी, रेत और प्राथमिक उपचार किट रखने की सलाह दी है। अस्पतालों, स्कूलों और अन्य संवेदनशील स्थानों के आसपास पटाखे न जलाएं। निर्धारित समय और ध्वनि प्रदूषण से जुड़े नियमों का पालन करें। ज्यादा धुआं और तेज आवाज वाले पटाखों से बचने को भी कहा गया है। जिला प्रशासन ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की है।

## एएमयू की सहायक प्रोफेसर को सीएसटीयूपी से 14.36 लाख रुपये का शोध अनुदान

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वीमेंस कॉलेज के प्राणी विज्ञान अनुभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. नुजहत परवीन को उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटीयूपी) से 14.36 लाख रुपये का शोध अनुदान मिला है। यह अनुदान पर-एंड पॉलीफ्लोरोएल्किल पदार्थों (पीएफएएस), जिन्हें आमतौर पर 'हमेशा बने रहने वाले रसायन' कहा जाता है, के विषैले प्रभावों पर तीन वर्षीय शोध परियोजना के लिए दिया गया है।जीवित अवस्था में पर-एंड पॉलीफ्लोरोएल्किल पदार्थों के मिश्रण से उत्पन्न आनुवंशिक एवं प्रणालीगत विषाक्तता का क्रियाविधि आधारित मूल्यांकन' शीर्षक वाली इस परियोजना में अध्ययन किया जाएगा कि ये लंबे समय तक बने रहने वाले कृत्रिम रसायन स्तनधारी जीवों के मॉडल में किस प्रकार डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं और शरीर के विभिन्न तंत्रों पर विषाक्त प्रभाव डालते हैं। प्राणी विज्ञान विभाग के आनुवंशिकी अनुभाग के प्रभारी प्रो. जी.जी.एच.ए. शादाब इस परियोजना में सह-प्रधान अन्वेषक होंगे।शोध के निष्कर्षों से उत्तर प्रदेश की प्रदूषण नियंत्रण और जन स्वास्थ्य एजेंसियों को रासायनिक सुरक्षा, जल गुणवत्ता की निगरानी और औद्योगिक अपशिष्ट के निस्तारण के लिए प्रमाण आधारित दिशा-निर्देश तैयार करने में वैज्ञानिक जानकारी मिलने की उम्मीद है। डॉ. परवीन कोशिका आनुवंशिकी, आनुवंशिक विषविज्ञान और पर्यावरणीय विषविज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत हैं और उनके 27 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

## प्रदीप कुमार यादव समाजवादी छात्र सभा के सचिव बने

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित अमौसी के बेहटवा निवासी प्रदीप कुमार यादव 'मोनू' को समाजवादी छात्र सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सचिव बनाया गया है। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इमरान ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर उनका मनोनयन किया। डॉ. इमरान ने उम्मीद जताई कि प्रदीप कुमार यादव समाजवादी पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाएंगे और संगठन को मजबूत करेंगे। शनिवार को सरोजनीनगर में स्कूटर इंडिया चौराहे के पास बिजनौर रोड स्थित प्रदीप के कार्यालय पर लोगों ने उन्हें फूलमाला पहनाकर बधाई दी। इनमें दीपक यादव, विनोद शुक्ला, गुड्डू भार्गव, रजनीश यादव, ज्ञान सिंह, गौरव ज्वेलर्स और सुधीर कुमार शामिल थे। लोगों ने डॉ. इमरान और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार भी जताया।

## लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। काकोरी में पुलिस ने लूट के कुछ मिनट बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से लूटे गए 16,500 रुपए और 550 ग्राम गांजा मिला। घटना 6 नवंबर की शाम की है। दुगार्गंज चौराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दो लोग एक व्यक्ति से 16,500 रुपए लूटकर भाग रहे हैं। पुलिस टीम ने दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिनव यादव और विकास के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से लूटे गए पूरे 16,500 रुपए बरामद किए। तलाशी में 550 ग्राम गांजा भी मिला। थाना काकोरी प्रभारी निरीक्षक सतीश चन्द्र राठौर के नेतृत्व में पुलिस ने दोनों के खिलाफ लूट और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

## सड़क पर चढ़ाते समय ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

लखनऊ। माल ब्लॉक की नबीपनाह पंचायत के भगवत खेड़ा गांव में शनिवार को ट्रैक्टर पलटने से चालक अभिषेक यादव उम्र लगभग 23 साल की मौत हो गई। हादसा सुबह खेत से पारा भरकर ट्रैक्टर सड़क पर चढ़ाते समय हुआ। ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और वह अभिषेक के सीने पर पलट गया। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अभिषेक यादव भगवत खेड़ा के रहने वाले थे। उनके पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और किसानी का काम करते थे। परिवार में उनके भाई और अन्य लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## 4 पुलिस कर्मी निलंबित,ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर हुई कार्रवाई

नोएडा। काम में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने साइबर क्राइम थाने के प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। निलंबित पुलिसकर्मियों में थाना प्रभारी विजय सिंह राणा के अलावा सब इंस्पेक्टर विकास और हेड कांस्टेबल विनय कुमार व कमल शामिल हैं। कार्रवाई के बाद साइबर थाने में नए प्रभारी की तैनाती नहीं की गई है। बताया गया कि साइबर थाने के प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सूचना दिए दबिश देने के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी थी। नियमानुसार इस तरह की कार्रवाई से पहले संबंधित अधिकारियों को जानकारी देना जरूरी था। थाना प्रभारी की ओर से इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को नहीं दी गई। बाद में जब वरिष्ठ अधिकारियों को बिना अनुमति टीम भेजे जाने की जानकारी मिली तो मामले को गंभीरता से लिया गया। प्रारंभिक स्तर पर इसे पुलिस कार्यप्रणाली में लापरवाही मानते हुए थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर के इस कदम से पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। इससे पहले बीते सप्ताह की फेज तीन और सेक्टर-49 थाना प्रभारी को पुलिस कमिश्नर ने हटाया था। दिवाली के बाद कई अन्य थाना प्रभारियों के बदलने की अटकलें हैं।

## मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगी दूसरा कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार रात दादरी पुलिस और घरों में चोरी करने वाले बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दूसरे आरोपी को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया, जबकि दो साथी फरार हो



गए। पुलिस के मुताबिक, सेक्टर ज्यू-3 के पास चेकिंग के दौरान चार लोगों से भरी कार आती दिखी। पुलिस ने कार रोकने का इशारा किया तो चालक उसे मोड़कर भागने लगा। पीछा करने पर कार सवारों ने पुलिस पर फायरिंग की। आरोपी कार छोड़कर जंगल की ओर भागे और पुलिस पर गोली चलाते रहे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अजय के पैर में गोली लगी। अजय और गिरफ्तार आरोपी समीर, दोनों काशीराम कॉलोनी, दादरी के रहने वाले हैं। दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा-कारतूस, वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट कार और चोरी का सामान बरामद किया। सामान में सफेद धातु की दो जोड़ी पायल, चार सफेद सिक्के, पीली धातु की एक अंगूठी, सफेद धातु का एक कड़ा, पीली धातु की चेन का एक टुकड़ा और नकदी शामिल है।

# सोमवती स्नान पर हरिद्वार में बदलेगा ट्रैफिक, भारी वाहनों की नोएंट्री

- आठ नवंबर की रात 12 बजे से लागू होगा यातायात प्लान, 9 नवंबर को होगा स्नान पर्व
- दिल्ली, यूपी, पंजाब और हरियाणा से आने वाले वाहनों के लिए अलग रूट और पार्किंग निर्धारित

**वेब वार्ता । हरिद्वार**

सोमवती अमावस्या स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस ने शहर का यातायात प्लान जारी कर दिया है। नौ नवंबर को होने वाले स्नान पर्व के लिए आठ नवंबर की रात 12 बजे से स्नान



समाप्ति तक हरिद्वार शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यातायात का दबाव बढ़ने पर भारी वाहनों को बॉर्डर पर ही रोक दिया जाएगा। वहीं, बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित रूट से पार्किंग स्थलों तक पहुंचाया जाएगा। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और पंजाब से आने वाले वाहनों को नारसन, मंगलौर, कोर कॉलेज, ख्याति ढाबा, गुरुकुल कांगड़ी और शंकराचार्य चौक होते हुए हरिद्वार भेजा जाएगा। इनके लिए बैरागी कैंप, बीएचईएल और ऋषिकुल मैदान में पार्किंग रहेगी। दबाव बढ़ने पर वाहनों को नगलाइमरती से लक्सर, फेरूपुर और जगजीतपुर होते हुए बैरागी कैंप भेजा जाएगा। दिल्ली-पंजाब और हरियाणा से आने वाले वाहनों का दबाव अधिक होने पर सहारनपुर, भगवानपुर, बिहारीगढ़ और मोहंड के रास्ते देहरादून-ऋषिकेश की ओर डायवर्ट किया जाएगा। मुरादाबाद और नजीबाबाद से आने वाले छोटे वाहनों के लिए चिड़ियापुर, श्यामपुर और चंडी चौक का मार्ग निर्धारित किया गया है। इनकी पार्किंग नीलधारा और गौरीशंकर में होगी। बड़े वाहनों को 4.2 डायवर्जन से भेजा जाएगा। देहरादून-ऋषिकेश से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन नेपाली फार्म और रायवाला होते हुए लालजीवाला पार्किंग पहुंचेंगे। शहर में ऑटो-विक्रम के लिए भी अलग व्यवस्था रहेगी। ललतारौ पुल से शिवमूर्ति तक ऑटो, विक्रम और टैक्सी प्रतिबंधित रहेंगे। देवपुरा से शिवमूर्ति चौक के अंदर ई-रिक्शा और ई-ऑटो की नो एंट्री रहेगी।

### ऑटो-विक्रम के लिए बदले रास्ते

यातायात का दबाव बढ़ने पर ऋषिकेश और रायवाला की ओर से आने वाले ऑटो-विक्रम जयराम मोड़ तक ही आ सकेंगे। ज्वालापुर और जटवाड़ा पुल की ओर से आने वाले वाहन रानीपुर मोड़, देवपुरा और शिवमूर्ति तिराहे से तुलसी चौक की ओर डायवर्ट होंगे। बीएचईएल की ओर से आने वाले ऑटो भगत सिंह चौक, टिबड़ी फाटक और देवपुरा होते हुए निकलेंगे। बैरागी कैंप से ऑटो-विक्रम शंकराचार्य चौक और तुलसी चौक तक जाकर वापस लौटेंगे।

### दबाव बढ़ने पर चीला मार्ग से निकासी

यातायात का दबाव बढ़ने पर चीला मार्ग का इस्तेमाल ऋषिकेश की ओर केवल निकासी के लिए होगा। गुरुकुल कांगड़ी सर्विस लेन से सिंहद्वार होते हुए वाहनों को शंकराचार्य चौक की ओर भेजा जाएगा। टोल प्लाजा पर निकासी का दबाव बढ़ने पर नहर पटरी का इस्तेमाल किया जाएगा। दिल्ली-मेरठ से देहरादून और ऋषिकेश जाने वाली निजी बसों को जरूरत पड़ने पर देवबंद, बिहारीगढ़ और मोहंड के रास्ते भेजा जाएगा।

# कुंभ से पहले 10 नए घाटों का निर्माण 56 पुराने घाटों की मरम्मत पूरी

## शेष निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य 30 नवंबर तक होगा पूरा

**वेब वार्ता। हरिद्वार**

गंगा नहर बंदी के दौरान घाटों के निर्माण और मरम्मत के महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। करीब सवा तीन किलोमीटर क्षेत्र में 10 नए घाटों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही अपर गंगा कैनाल और एस्केप चैनल के 56 पुराने घाटों के जलमग्न हिस्सों की मरम्मत भी पूरी कर ली गई है।

नहर में सामान्य जलप्रवाह शुरू होने के बाद इन हिस्सों में काम करना संभव नहीं था। मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर क्लोजर अवधि में निर्माण कार्य दिन-रात कराए गए। कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की गई। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनुभव नौटियाल ने बताया कि नए घाटों का अधिकांश निर्माण पूरा हो चुका है।



शेष कार्य 30 नवंबर तक संपन्न करा लिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि अपर गंगा कैनाल के 34 और एस्केप चैनल के 22 पुराने घाटों के जलमग्न हिस्सों की मरम्मत क्लोजर के दौरान पूरी की गई है। नहर बंदी की अवधि शनिवार रात समाप्त हो रही है। इस दौरान जलस्तर से नीचे किए जाने वाले सभी जरूरी निर्माण और मरम्मत कार्य पूरे कर लिए गए हैं। अब जलप्रवाह शुरू होने के बाद घाटों के ऊपरी हिस्सों का निर्माण, सौंदर्यीकरण और फिनिशिंग का काम तेजी से कराया जाएगा।

# धन्वंतरि जयंती पर पांच चिकित्सक सम्मानित

## विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर किया सम्मान



**वेब वार्ता । ऋषिकेश**

धन्वंतरि जयंती एवं धनतेरस के अवसर पर ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने कैंप कार्यालय में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले पांच चिकित्सकों को सम्मानित किया। उन्होंने चिकित्सकों को शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा मिष्ठान खिलाकर दीपावली और धनतेरस की शुभकामनाएं दीं।

सम्मानित होने वालों में डॉ. सुशील सेमवाल, डॉ. जसवंत सिंह, डॉ. संदीप भंडारी, डॉ. अंजना और डॉ. नीरज नौटियाल शामिल रहे। इस मौके पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सक समाज के सच्चे सेवक हैं, जो दिन-रात समर्पित भाव से मानव जीवन की रक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में जुटे रहते हैं। उनका योगदान चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और मानवता के मूल्यों को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद एवं आरोग्य का देवता माना जाता है। ऐसे पावन अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति समर्पित चिकित्सकों का सम्मान करना उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का छोटा सा प्रयास है। उन्होंने सभी चिकित्सकों के स्वस्थ एवं सुखी जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान ऋषिकेश मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, रायवाला ग्राम प्रधान सागर गिरी, पूर्व सैनिक सोबन कैंतुरा, भाजपा कार्यकर्ता गोपाल सती सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# एडीएम ने जिला प्रोबेशन कार्यालय का किया निरीक्षण, लिया जायजा



**वेब वार्ता । टिहरी**

अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने जिला प्रोबेशन कार्यालय का निरीक्षण कर विभागीय कार्यों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय के विभिन्न पटलों, विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा एसओएस बाल ग्राम का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न पत्रावलियों एवं अभिलेखों का अवलोकन कर विभागीय कार्यप्रणाली की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण में आवासित एक बालिका को परिवार मिल गया है। इसके लिए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई है। बताया गया कि चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 पर जनवरी से सितंबर 2026 तक कुल 68 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 61 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल संरक्षण से जुड़े सभी मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जाए। बच्चों की सुरक्षा, देखभाल एवं पुनर्वास से संबंधित प्रकरणों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जाए।

## चारा लेने गई वृद्धा की सड़क किनारे मिली लाश

**काशीपुर।** पशुओं के लिए चारा लेने घर से निकली 60 वर्षीय वृद्धा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की तो वह सड़क किनारे बेहोशी की हालत में मिलीं। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।ग्राम शिवलालपुर डल्लू निवासी केलावती (60) पत्नी नन्हे शुक्रवार दोपहर खेत की ओर चारा लेने गई थीं।

बताया गया कि इसी दौरान वह रास्ते में अचानक अचेत होकर गिर पड़ीं। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश में जुट गए। इसी बीच ग्रामीणों ने सड़क किनारे उनके पड़े होने की सूचना दी। पुत्रवधू नीमा मौके पर पहुंचीं और परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद महिला को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका अपने पीछे चार पुत्र और एक पुत्री समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

# दीपावली पर पुलिस अलर्ट चप्पे-चप्पे पर बढ़ाई सुरक्षा



**वेब वार्ता। हल्द्वानी**

दीपावली पर्व को देखते हुए नैनीताल पुलिस ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमें लगातार गश्त और सघन चेकिंग कर रही हैं।

मुख्य बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, संवेदनशील स्थानों और प्रमुख मार्गों पर पैदल गश्त बढ़ाई गई है।रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बम डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) की टीमें भी विशेष जांच कर रही हैं। पुलिस देर रात अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही है। थाना व चौकी प्रभारियों को नियमित गश्त के साथ संदिग्ध गतिविधि मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।पुलिस का कहना है कि त्योहार के दौरान चोरी, आपराधिक घटनाओं और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। पुलिस ने लोगों से संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

# असम की महिला से दुष्कर्म के आरोपों पर हरक सिंह रावत का पलटवार

## बोले- धामी की विदाई के साथ करूंगा इस खेल का अंत




**वेब वार्ता । देहरादून**

असम की महिला से जुड़े 23 साल पुराने दुष्कर्म मामले को लेकर उत्तराखंड की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने शनिवार को कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने पूरे मामले को भाजपा की राजनीतिक साजिश करार देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर निशाना साधा।

हरक सिंह रावत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की शुरुआत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की है और इसका अंत भी वह धामी की विदाई के साथ करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की न्याय यात्रा और प्रदेश में पार्टी की बढ़ती सक्रियता से भाजपा घबराई हुई है। इसी वजह से जनता का ध्यान अन्य मुद्दों से भटकाने के लिए पुराने मामले को दोबारा उछाला जा रहा है।

**डीएनए जांच के लिए आज भी तैयार हूं:** प्रेसवार्ता में हरक सिंह रावत ने कहा कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और उनकी छवि धूमिल करने वालों के खिलाफ मानहानि एवं न्यायालय की अवमानना का मुकदमा दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि वह आज भी डीएनए जांच के लिए तैयार हैं। रावत के मुताबिक, वर्ष 2003 में इस मामले की सीबीआई जांच हुई थी और जांच में उन्हें क्लीन चिट मिली थी। उनका दावा है कि न्यायालय से भी उन्हें राहत मिली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस महिला ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उसे भाजपा ने राजनीतिक उद्देश्य से देहरादून बुलाया है। रावत ने यह भी दावा किया कि सीबीआई की रिपोर्ट में महिला के बोडो से संबंध और हथियारों के साथ पकड़े जाने का उल्लेख था। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

**23 साल बाद फिर सुर्खियों में आया मामला:** गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2003 का है। उस समय असम की एक नाबालिग लड़की ने उत्तराखंड के सरकारी अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। बच्चे के पिता होने का आरोप तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत पर लगा था। विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और मामले की सीबीआई जांच हुई थी।

अब 23 साल बाद सात नवंबर को महिला देहरादून पहुंची और एक बार फिर हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाए। महिला का कहना है कि घटना के समय उसकी उम्र महज 16 वर्ष थी और वह दबाव में थी। उसने आरोप लगाया कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया तथा उसे मानसिक चिकित्सालय में भी रखा गया। महिला ने वर्ष 2016 में दिल्ली में शिकायत दर्ज कराने और उस दौरान भी कथित रूप से जबरदस्ती किए जाने का आरोप लगाया। उसने सीबीआई जांच की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। महिला ने उत्तराखंड आने पर जान से मारने की धमकी मिलने का आरोप भी लगाया है। वहीं, हरक सिंह रावत इन सभी आरोपों को खारिज कर रहे हैं।

**राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच जांच पर टिकी नजरें:** इस मामले ने उत्तराखंड की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। एक ओर महिला पुराने मामले में न्याय की मांग कर रही है, वहीं दूसरी ओर हरक सिंह रावत इसे राजनीतिक साजिश बताते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दे रहे हैं।

## दीपावली पर मंडलायुक्त व डीएम ने दी शुभकामनाएं सुरक्षित त्योहार की अपील

**हल्द्वानी।** कुमाऊं मंडलायुक्त दीपक रावत और जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने मंडल एवं जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि दीपावली प्रकाश, उल्लास, प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का पर्व है। यह अंधकार से प्रकाश और निराशा से आशा की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।दोनों अधिकारियों ने लोगों से दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाने के साथ आतिशबाजी में सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि पटाखे खुले और सुरक्षित स्थान पर ही जलाएं तथा बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें। ज्वलनशील वस्तुओं से दूरी बनाए रखें और पास में पानी, बालू व प्राथमिक उपचार की व्यवस्था रखें।उन्होंने जले या नहीं फूटे पटाखों को दोबारा जलाने से बचने तथा बुजुर्गों, बच्चों, बीमार लोगों और पशु-पक्षियों का विशेष ध्यान रखने की अपील की।

# त्योहारों में यात्रियों से मनमाना किराया वसूलना पड़ा भारी

**वेब वार्ता । हरिद्वार**



त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच मनमाना किराया वसूलने और क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने वाले वाहन चालकों पर परिवहन विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। विशेष चेकिंग अभियान में ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा समेत यात्री वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने पर 45 वाहनों के चालान किए गए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने बताया कि त्योहारी अवधि में बड़ी संख्या में लोग बाजारों और अन्य स्थानों पर आवाजाही कर रहे हैं। इस दौरान कुछ वाहन चालकों की ओर से यात्रियों से निर्धारित किराये से अधिक रकम वसूलने और क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने की शिकायतों को देखते हुए अभियान चलाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन नेहा झा के नेतृत्व में इंटरसेप्टर प्रभारी वरुणा सैनी ने टीम के साथ विभिन्न स्थानों पर यात्री वाहनों की जांच की। जांच के दौरान ओवरलोडिंग, निर्धारित दर से अधिक किराया वसूली, परमिट की शर्तों का उल्लंघन और अन्य अनियमितताएं पाए जाने पर कुल 45 चालान किए गए। अभियान के दौरान वाहन चालकों की काउंसलिंग भी की गई। उन्हें चेतावनी दी गई कि त्योहारों में यात्रियों की अधिक आवाजाही का फायदा उठाकर मनमाना किराया न वसूलें। निर्धारित यात्री क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। चालकों को यात्रियों के साथ शालीन व्यवहार करने और यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए।

## देहरादून पुलिस की नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, महिला समेत दो गिरफ्तार

**देहरादून।** एसएसपी देहरादून के निर्देश पर जनपद में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दून पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 790 ग्राम गांजा और 464 ग्राम चरस बरामद की है। वहीं, चरस तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्विफ्ट कार को भी सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, पहली कार्रवाई कोतवाली ऋषिकेश पुलिस ने की। 5 नवंबर को पुलिस टीम चन्द्रभागा नदी के पास झुग्गी बस्ती क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सबरी देवी (40) निवासी मायाकुंड झुग्गी बस्ती, ऋषिकेश को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 2 किलो 790 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी महिला के खिलाफ कोतवाली ऋषिकेश में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

# उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पति गिरधारी लाल साहू गिरफ्तार



**वेब वार्ता। देहरादून**

- भतीजा भी पकड़ा गया झांसी से एसआईटी ने दोनों को दबोचा

उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लंबे समय से फरार चल रहे गिरधारी लाल को देहरादून पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश के झांसी से गिरफ्तार किया। उनके साथ इस मामले में आरोपी बनाए गए भतीजे सतेंद्र राठौर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरधारी लाल झांसी से गोरखपुर होते हुए नेपाल भागने की फिराक में था, लेकिन एसआईटी ने मुखबिर की सूचना पर उसे दबोच लिया।

मंत्री रेखा आर्या की शिकायत पर देहरादून की कैंट कोतवाली में गिरधारी लाल साहू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नौ सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। गिरधारी लाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में दबिश दे रही थी।

चार कंपनियों में फर्जी हस्ताक्षर कर निदेशक पद से हटाने का आरोप: पुलिस जांच के अनुसार, गिरधारी लाल साहू और उनके भतीजे सतेंद्र राठौर पर कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षर और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर रेखा आर्या को चार कंपनियों के निदेशक पद से हटाने का आरोप है। इन कंपनियों में देवों के देव महादेव, बनखंडी रुद्राक्ष धाम, श्री अंबे ऑटो डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड और बनखंडी धाम डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, रेखा आर्या को निदेशक पद से हटाने के बाद उनके स्थान पर सतेंद्र राठौर को निदेशक बनाया गया था।

**रेखा आर्या ने लगाए थे गंभीर आरोप:** रेखा आर्या ने अपने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ मारपीट, उत्पीड़न, धोखाधड़ी, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने, जान से मारने की धमकी देने और हत्या की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि गिरधारी लाल ने अपनी पहली शादी की जानकारी छिपाकर उनसे विवाह किया। इसके अलावा फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से उन्हें कंपनियों के निदेशक पद से हटाने का भी आरोप लगाया गया।

**तीन नोटिस के बाद भी जांच में नहीं हुए शामिल:** पुलिस के अनुसार, जांच में शामिल होने के लिए गिरधारी लाल साहू को तीन बार नोटिस भेजे गए थे, लेकिन वह एसआईटी के सामने पेश नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने न्यायालय से उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट हासिल किया। उनकी अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी थी। वहीं, उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करने से भी इनकार कर दिया था।

**44 मुकदमे दर्ज होने का पुलिस का दावा:** पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि गिरधारी लाल साहू के खिलाफ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अलग-अलग थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, बलवा और गैंगस्टर एक्ट समेत कुल 44 मुकदमे दर्ज हैं। एसआईटी अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और दस्तावेजों की जांच कर रही है।

# 23 साल बाद फिर निकला जेनी का जिन्न

**वेब वार्ता । देहरादून**



- पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर दुष्कर्म का आरोप
- बेटे के डीएनए और नार्को टेस्ट की मांग

उत्तराखंड की राजनीति में करीब 23 साल पुराने चर्चित जेनी प्रकरण ने एक बार फिर हलचल मचा दी है। वर्ष 2003 में तत्कालीन कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत पर यौन शोषण और अपने बच्चे का पिता होने का आरोप लगाने वाली इंदिरा देवरी उर्फ जेनी शनिवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब पहुंचीं। यहां पत्रकारों के सामने अपनी आपबीती सुनाते हुए उन्होंने हरक सिंह रावत पर दुष्कर्म का सीधा आरोप लगाया और मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई।

जेनी ने कहा कि 23 साल से वह और उनका बेटा जिस पीड़ा से गुजर रहे हैं, उसका जवाब आज तक नहीं मिला है। जेनी ने बताया कि वह असम से देहरादून आई थीं और ग्रीन चौक स्थित एक एसटीडी बूथ में काम करती थीं। इसी दौरान उनका संपर्क हरक सिंह रावत से हुआ। उनका आरोप है कि महज 16 वर्ष की उम्र में उनका शोषण किया गया। उन्होंने कहा कि उनके साथ जो हुआ, उसकी पीड़ा वह वर्षों से अपने भीतर दबाए हुए हैं। पत्रकार वार्ता में जेनी ने तत्कालीन सीबीआई जांच की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका दावा है कि सीबीआई अधिकारी उनसे मिलने केवल एक बार अस्पताल आए थे। उस समय उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर तो करा लिए गए, लेकिन यह तक नहीं बताया गया कि उनमें क्या लिखा है। जेनी का यह भी कहना है कि उन्हें राजपुर रोड स्थित नारी निकेतन के मानसिक अस्पताल में रखा गया था, जहां उनके साथ जबरन हस्ताक्षर कराने जैसी घटनाएं हुईं। उन्होंने डीएनए जांच में भी गड़बड़ी की आशंका जताते हुए दोबारा वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की। जेनी ने तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उस समय एनडी तिवारी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी और इसी वजह से मामला दबा दिया गया।

पत्रकार वार्ता के दौरान जेनी कई बार भावुक हुईं। उन्होंने कहा कि उनका बेटा पिछले 23 वर्षों से पिता के नाम के बिना बड़ा हुआ है। अब वह बड़ा हो रहा है और लगातार पूछता है कि उसका पिता कौन है। उसे अपने पिता का सरनेम चाहिए और वह संपत्ति में भी अपना अधिकार चाहता है। जेनी ने कहा कि वह अब तक दीप्ति की शक्ल देखकर चुप रही थीं, लेकिन अब बेटे के भविष्य और उसके सवालों ने उन्हें दोबारा आवाज उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। जेनी ने बताया कि वह शुक्रवार को ही देहरादून पहुंची हैं और पुलिस महानिदेशक को प्रार्थना पत्र देकर पूरे प्रकरण की दोबारा जांच शुरू कराने की मांग की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात और पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी अपील की है।जेनी ने कहा कि वह खुद नार्को टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनकी मांग है कि पहले उनके बेटे का डीएनए परीक्षण कराया जाए और इसके बाद हरक सिंह रावत का नार्को टेस्ट हो। उनका कहना है कि वह अब अपने बेटे को उसके पिता की पहचान दिलाना चाहती हैं। फिलहाल उनकी मांग ने एक बार फिर इस मामले को सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वर्ष 2003 के एक बहुचर्चित प्रकरण को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत के खिलाफ पुलिस मुख्यालय मे इन्दिरा डेंजी (जेनी) ने शिकायत दर्ज कराई गई है।

## ब्रीफ न्यूज

### बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

**नई दिल्ली।** बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

### बीएसएनएल और वीआईएल के बीच नेटवर्क साझा समझौता

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के साथ 12-13 नए दूरसंचार सर्किलों में इंटर- सर्किल रोमिंग (आईसीआर) समझौता करने की योजना बनाई है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी, जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का बेहतर सिग्नल मिल पाएगा, जहां उनकी मौजूदा सेवा प्रदाता कंपनी का नेटवर्क कमजोर है। इस समझौते से दोनों कंपनियों को लाभ होगा। सूत्र के अनुसार पहले से ही दो-तीन सर्किलों में यह व्यवस्था लागू है और अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। बीएसएनएल अपने 4जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत उसे 26,000 नए मोबाइल टावर लगाने की मंजूरी मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया, जिसमें सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है, अपने 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज जुटाने का प्रयास कर रही है। यह समझौता दोनों कंपनियों के नेटवर्क की पहुंच को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

### पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी।

### सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

# नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम, निवेशक मालामाल

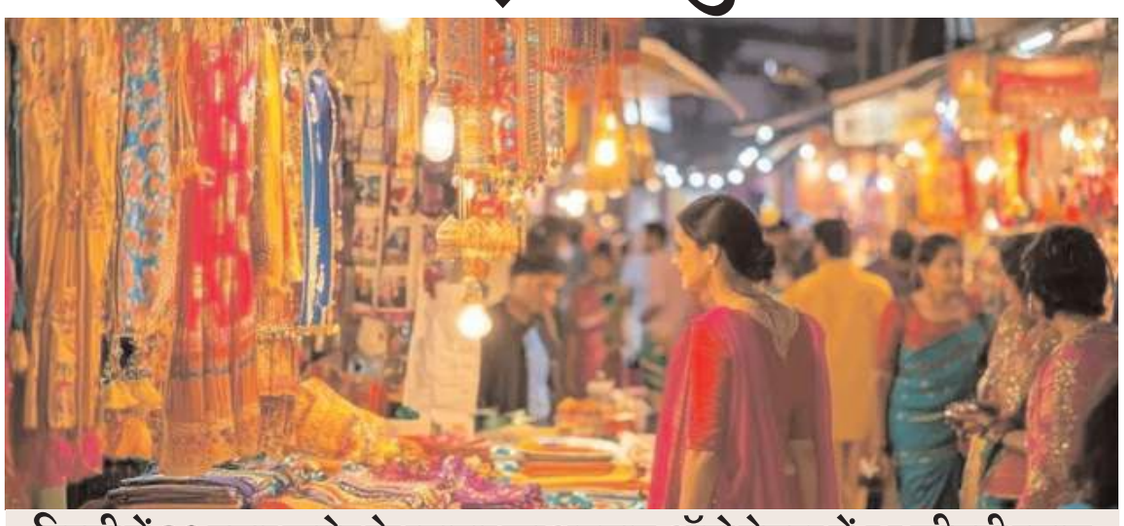
एजेंसी ■ मुंबई

नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा।

सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी। सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ। मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के अनुमानों ने भी बाजार को अतिरिक्त बल दिया। धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा और भारतीय शेयर बाजार ने एक नया इतिहास रच दिया। सेंसेक्स 1,718.01 अंक की जबरदस्त उछाल के साथ 81,028.02 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी ने 493.75 अंक बढ़कर 25,030.35 का आंकड़ा फिर से हासिल किया। इस प्रकार नवंबर के पहले कारोबारी सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने लगातार सातवें सत्र में शानदार प्रदर्शन किया। सेंसेक्स कुल 7,781.99 अंक और निफ्टी 2,331.5 अंक की रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की, जो इस सप्ताह की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।



# दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद



### दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अ?धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

### धनतेरस पर ऑटो बाजार में 12,000 करोड़ का कारोबार

धनतेरस के शुभ अवसर पर देश के वाहन बाजार में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। शुभ मुहूर्त में खरीदारी की भारतीय परंपरा के चलते ग्राहकों ने बड़ी संख्या में कारों और अन्य वाहनों की खरीद की। वाहन कंपनियों के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक इस धनतेरस पर देशभर में करीब एक लाख वाहनों की डिलीवरी हुई, जिससे एक ही दिन में लगभग 10,000 से 12,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार होने का अनुमान है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की धनतेरस की तुलना में काफी अधिक बताया जा रहा है, जो मौजूदा वर्ष के लिए मजबूत मांग का संकेत देता है। उद्योग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, यदि प्रत्येक वाहन की औसत कीमत 10 से 12 लाख रुपये मानी जाए, तो कुल बिक्री का कारोबार 10 से 12 हजार करोड़ रुपये के आसपास पहुंच सकता है। इस वर्ष धनतेरस पर उत्तरी भारत में वाहन खरीदने को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जबकि दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में मांग अपेक्षाकृत धीमी रही। हालांकि, देश के अधिकांश राज्यों में ग्राहकों की ओर से सकारात्मक रुझान सामने आया। यात्री वाहन बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखते हुए सबसे आगे रही। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि धनतेरस के दिन करीब 30 हजार वाहनों की डिलीवरी की गई। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्ष 51 हजार वाहनों की बिक्री हुई थी और इस बार भी ग्राहकों की ओर से मजबूत मांग देखने को मिली है।

# एनएसई, ऑगमोंट के ईजीआर खंड में पहले दिन 33 करोड़ से अधिक का कारोबार




### निवेशकों को डीमैट के जरिए भौतिक सोना रखने व लेने का विकल्प

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एकीकृत स्वर्ण मंच ऑगमोंट के साथ मिलकर शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) में लाइव कारोबार शुरू किया। इस नए वित्तीय उत्पाद को निवेशकों ने शानदार प्रतिक्रिया दी, पहले ही दिन इसमें 33.11 करोड़ रुपए के सफल सौदे हुए। यह भारत में भौतिक सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 2,27,444 अनुबंधों का कारोबार हुआ, जिनका कुल मूल्य 33.11 करोड़ रुपए रहा। कारोबार के दौरान कीमतें 1,450.50 रुपए से 1,465 रुपए प्रति 100 मिलीग्राम (0.1 ग्राम) के दायरे में व्यवस्थित तरीके से रहीं। प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद 100 मिलीग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है, जिसे सेबी विनियमित भंडारगृहों में सुरक्षित रखा जाता है। निवेशक अपने डीमैट खातों के माध्यम से इन रसीदों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। साथ ही, निर्धारित नियमों के तहत उनके पास इन रसीदों के बदले भौतिक सोना प्राप्त करने का विकल्प भी है। यह खंड टी प्लस1 निपटान चक्र का पालन करता है, जिससे सौदों का निपटान अगले कारोबारी दिन होता है। ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक केतन कोठारी ने पहले दिन के सफल कारोबार, निरंतर खरीद-बिक्री के भावों की उपलब्धता और कीमतों के व्यवस्थित निर्धारण को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल भौतिक सोने को अधिक सुलभ, पारदर्शी बनाने और उसे भारत की औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा



### सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

एजेंसी ■ मुंबई

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था।

कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही। इसके विपरीत, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, व्यापार और परिवहन परिचालकों को दिए जाने वाले कर्ज में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

### भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था।

# कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने जुटाए 632 करोड़

### छोटे शहरों के निवेशकों ने दिखाई मजबूत दिलचस्पी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कार्नेलियन म्यूचुअल फंड की पहली स्कीम, कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेशकों से 632 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय संग्रह किया है। 30 अक्टूबर 2026 को बंद हुए इस एनएफओ को देशभर के निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहरों से आई 45 फीसदी भागीदारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जो लंबी अवधि के निवेश के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। फंड हाउस के अनुसार, इस एनएफओ को कुल 30,562 आवेदन मिले, जिनमें से प्रत्येक का औसत आकार करीब 2.07 लाख रुपये रहा। लगभग 21 फीसदी आवेदन सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के लिए मिले, जो निवेशकों के लंबी अवधि के निवेश रुझान को रेखांकित करता है।




इस एनएफओ में देश के सभी राज्यों के निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसे 275 शहरों के 1,430 वितरकों का समर्थन मिला। निवेशकों को यूनिट का आवंटन 5 नवंबर 2026 को किया गया है, जबकि स्कीम में 9 नवंबर 2026 से दोबारा खरीद-बिक्री शुरू हो जाएगी। निवेशकों से मिले अच्छे रिस्पॉन्स पर, फंड हाउस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आकार बढ़ाने के बजाय निवेश प्रक्रिया की गुणवत्ता बनाए रखने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि खासकर स्मॉलकैप सेगमेंट में टिकाऊ विकास की क्षमता वाली कंपनियों की पहचान के लिए गहन मूल्यांकन और सही वैल्यूएशन अहम हैं। इस रणनीति के तहत, स्कीम ने स्मॉलकैप सेगमेंट में निवेश संबंधी लचीलापन बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अधिकतम एयूएम सीमा तय की है।

### मनोरंजन उद्योग में छंटनी का दौर, स्ट्रीमिंग के वादे से उलट हकीकत

# नेटफ्लिक्स ने इस साल करीब 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कुछ साल पहले तक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का तेजी से बढ़ता कारोबार मनोरंजन उद्योग में हजारों नई नौकरियों के अवसर लेकर आया था। नेटफ्लिक्स, डिज़्नी+ और अमेज़ॉन प्राइम वीडियो जैसी कंपनियां नए शो और फिल्मों के निर्माण में जुटी थीं, जिससे कंटेंट, मार्केटिंग, टेक्नोलॉजी और प्रोडक्शन जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भर्ती हो रही थी, लेकिन अब यह तस्वीर बदल रही है। दुनिया की प्रमुख एंटरटेनमेंट कंपनियां लागत कम करने, टीमों का विलय करने और कामकाज के तरीकों को बदलने पर जोर दे रही हैं, जिसका सीधा असर कर्मचारियों की नौकरियों पर पड़ रहा है। इसकी शुरुआत डिज़्नी जैसे बड़े नाम से हो रही है, जो एक बार फिर बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी कर रहा है।

हालिया रिपोर्टों के मुताबिक कंपनी हजारों नौकरियों में कटौती पर विचार कर रही है और अपने प्रबंधकों से सालाना परिचालन खर्च में 20 फीसदी तक की बचत के तरीके तलाशने को कहा गया है। यह बचत कर्मचारियों की संख्या घटाकर और अन्य खर्चों में कटौती करके हासिल की जाएगी। इससे पहले भी, अप्रैल में डिज़्नी ने करीब 1,000 पदों पर कटौती की योजना बनाई थी, जिसका असर मुख्य रूप से मार्केटिंग डिविजन पर पड़ने की आशंका थी। सितंबर में भी ह्यूमन रिसोर्स और टेक्नोलॉजी टीमों के कुछ सौ कर्मचारियों की नौकरी जाने की खबरें थीं। डिज़्नी का यह बदलाव केवल स्ट्रीमिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी के टेलीविजन चैनल, थीम पार्क और फिल्म स्टूडियो जैसे व्यवसाय भी इस दबाव का सामना कर रहे हैं। स्ट्रीमिंग कारोबार की एक और दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स भी इस छंटनी के दौर से अछूती नहीं रही। हाल के वर्षों में कंपनी ने लगभग 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, जो उसकी कुल वर्कफोर्स का लगभग 6 फीसदी था। इस छंटनी से प्रोडक्ट, टेक्नोलॉजी, लीगल और ह्यूमन रिसोर्स जैसी टीमें प्रभावित हुईं। नेटफ्लिक्स अब केवल सब्सक्रिप्शन से होने वाली कमाई पर निर्भर नहीं रहना चाहती। कंपनी विज्ञापन, लाइव प्रोग्रामिंग और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में भी निवेश कर रही है ताकि कमाई के नए रास्ते खुल सकें। इसके साथ ही, कंपनी एआई से जुड़ी फिल्ममेकिंग टेक्नोलॉजी में भी पैसा लगा रही है। नौकरियों में कटौती का यह रुझान केवल स्ट्रीमिंग कंपनियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पारंपरिक मीडिया घरानों में भी देखने को मिल रहा है। ब्रिटेन के सरकारी प्रसारक में भी करीब 2,000 पदों पर कटौती की तैयारी है, जिसमें अकेले न्यूज डिविजन में सैकड़ों नौकरियों पर असर पड़ने की आशंका है।



# अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

### पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिए संकेत

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ई?पिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है।

## ब्रीफ न्यूज

### राहुल मैच से पहले जर्सी कटवाने के कारण चर्चाओं में

**वेलिंग्टन।** भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में उतरने से पहले अपनी जर्सी को कटवाते दिखे। इसको लेकर उनकी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया में आयी है। जिससे प्रशंसक हैरान दिखे हालांकि कुछ ही देर में इसका कारण भी सामने आ गया। वह ये था कि राहुल को अपनी पहनी हुई जर्सी में परेशानी लग रही थी, जिसके चलते उन्होंने स्टाफ कैंची मंगवाकर अपनी जर्सी के निचले हिस्से को काटने को कहा। उनकी यह तस्वीर कुछ ही समय में हजारों प्रशंसकों तक पहुंच गई और सोशल मीडिया पर इसके कारणों को लेकर अटकलें लगायी जाने लगीं। गौरतलब है कि क्रिकेट जगत में यह पहली बार नहीं है जब खिलाड़ी बल्लेबाजी या फील्डिंग के दौरान अधिक सहज महसूस करने के लिए अपनी अपनी जर्सी में बदलाव कराते हैं। माना जा रहा है कि राहुल ने भी कुछ ऐसा ही किया। राहुल की जर्सी काटने की यह घटना मैच शुरू होने से पहले ही चर्चा का केंद्र बन गई। यह एक बार फिर इस बात को साबित करती है कि खिलाड़ी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कितने छोटी-छोटी बातों तक का ध्यान रखते हैं।

### भारत के खिलाफ एक दिवसीय में सबसे ज्यादा औसत वाले दूसरे खिलाड़ी बने मिशेल

**वेलिंगटन।** भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड के शीर्ष बल्लेबाज विफल रहे। यहां तक के कीवी टीम के आठ बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। केवल डेरिल मिशेल ने ही एक अच्छी पारी खेली। नंबर-4 पर उतरे मिशेल ने 55 रन बनाये ओर अपनी टीम को 100 रनों तक पहुंचाया। मिशेल ने अपनी इस पारी में 104 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्के लगाये। मिशेल इस पारी के साथह ही भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में 65 पार का औसत हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। भारतीय टीम के खिलाफ 50 ओवर में मिशेल का औसत अब 68.66 का हो गया है। हालांकि वह नंबर एक पर पहुंचने का रिकार्ड नहीं बना पाये। भारत के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत रखने वाले शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में मिशेल दूसरे स्थान पर ही आ पाये हैं। इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान जॉर्ज बेली नंबर-1 पर हैं। उन्होंने भारतीय टीम इंडिया के खिलाफ 71 की औसन से रन बनाये हैं।

### एक दिवसीय में सबसे ज्यादा बार रोहित का विकेट लेने वालों में जैमिसन भी शामिल

**वेलिंगटन।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी असफल रहे ओर बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। रोहित दूसरे एकदिवसीय में मेजबान गेंदबाज काइल जैमिसन का शिकार बने। इस मैच में रोहित 23 गेंदों में केवल 28 रन ही बना पाये। इस मैच में एक बार फिर जैमिसन के सामने रोहित की कमजोरी उभरकर सामने आयी। वह जिन गेंदबाजों के सामने परेशान रहे हैं उनमें जैमसन का नाम भी जुड़ गया है।



लीवरपूल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में इवरटोन व कावेंट्री के बीच फुटबॉल मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

# युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शानदार शतक लगाया

**आकलैंड।** युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार शतक लगाया है। यशस्वी का ये लगातार दूसरा शतक हैं। इससे पहले दूसरे टेस्ट में भी उन्होंने शतकीय पारी खेली थी। मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले यशस्वी ने अपने इस शानदार प्रदर्शन से टीम प्रबंधन को भी राहत दी है। इस युवा बल्लेबाज ने तीसरे टेस्ट पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 127 गेंदों में ही शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में उन्होंने कुल 138 गेंदों पर 102 रन बनाए। अपनी इस पारी में यशस्वी ने 16 शानदार चौके और 2 छक्के लगाये। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 175 रनों की मजबूत साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। यशस्वी के लिए ये प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी। पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में वे दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 22 रन ही बना पाए थे, जबकि दूसरे मैच की पहली पारी में वे शून्य पर ही आउट हो गये थे। यशस्वी ने इसके बाद अपनी लय पकड़ी और दूसरे मैच की दूसरी पारी में नाबाद 155 रनों की शानदार पारी खेली। अब तीसरे टेस्ट में भी शतक जड़कर उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म दिखायी है। इससे टेस्ट सीरीज के लिए भी उनका मनोबल बढ़ा है।

गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच टी20 और पांच एकदिवसीय मैचों के अलावा दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा, और इसके बाद दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा है। ऐसे में उनका लय हासिल करना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। विशेष रुप से विदेशी पिचों पर जहां उनकी आक्रामक और संयमित बल्लेबाजी टीम को मजबूत शुरुआत दे सकती है।

# भारतीय टीम ने दूसरे एक दिवसीय में डकवर्थ लुईस नियम से न्यूजीलैंड को 4 रनों से हराया

## जीत के लिए मिले 135 रनों के आसान से लक्ष्य को भारतीय टीम ने बमुश्किल हासिल किया

**एजेंसी ■ वेलिंगटन**

भारतीय क्रिकेट टीम ने वर्षा बाधित दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान न्यूजीलैंड को चार रनों से हराकर पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। बारिश की बाधा के कारण इस मैच का फैसला डकवर्थ लुईस नियम से आया। इस मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के गुरनूर बराड़ को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान शुभगन गिल ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी ओर 41 ओवर में ही 134 रनों पर सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले 135 रनों के आसान से लक्ष्य को भारतीय टीम ने बमुश्किल हासिल किया। 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज लड़खडा गये टीम ने 26 ओवर में ही केवल 113 रनों पर सात विकेट खो दिये। तब उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश से मुकाबले में बाधा आई। बारिश नहीं रुकने पर डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारतीय को चार रनों से विजेता घोषित कर दिया गया।

इससे पहले आज सुबह बारिश के कारण टॉस में भी देरी हुई। सुबह देर से मैच शुरु होने के बाद ओवर घटाकर 47-47 कर दिये गये। इस मैच में 135 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के पसीने निकल गये। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पहली ही गेंद पर आउट हो गये। वहीं विराट कोहली भी सात रन ही बना पाये। रोहित भी बड़ी पारी नहीं खेल



पाये। रोहित ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 23 रनों की पारी खेली। इसके बाद अक्षर पटेल 7 रन बनाकर आउट हुए और भारत का चौथा विकेट गिरा। इसके बाद। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने के प्रयास किये पर जेमीसन ने श्रेयस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। अय्यर ने 46 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाकर 30 रन बनाये। इसके बाद नमन धीर 12 रन बनाकर कैच हुए। अगले ही ओवर में जेमीसन ने अंशुल कम्बोज को 1 रन पर ही आउट कर भारत का सातवों विकेट लिया। जेमिसन ने अंशुल कंबोल को एक रन पर आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। इसी ओवर के बाद बारिश शुरु हो गई। वहीं इससे पहले इससे पहले । बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। आकिब नबी ने पहले ही ओवर में टिम साइफर्ट का खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। पांचवें ओवर में विल यंग भी 6 रन बनाकर आउट हो गये। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर अंशुल कम्बोज का शिकार बनेकिया। 20वें ओवर में बराड़ ने टॉम लेथम को सात और ग्लेन फिलिप्स को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मिशेल सैंटनर ने डैरिल मिशेल के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहे। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट लिए 59 रनों की साझेदारी हुई। 35वें ओवर में अक्षर पटेल ने डेरिल मिचेल को 55 ) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अगले ही ओवर में बराड़ ने सैंटनर 31 को भी आउट कर दिया। ) मिचेल ने अपनी 55 रनों की संघर्षपूर्ण पारी में 104 गेंदों का सामना किया और चार चौके तथा दो छक्के लगाये जबकि सैंटनर ने 38 गेंदों दो छक्के और एक चौका लगाते हुए 31 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। अंतिम तीन विकेट काइल जेमीसन 7 , नेथन स्मिथ 3 और ब्लेयर टिकनर 2 रन बनाकर गिरे।

### एकदिवसीय में सबसे ज्यादा बार रोहित का विकेट लेने वालों में जैमिसन भी शामिल

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी असफल रहे ओर बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। रोहित दूसरे एकदिवसीय में मेजबान गेंदबाज काइल जैमिसन का शिकार बने। इस मैच में रोहित 23 गेंदों में केवल 28 रन ही बना पाये। इस मैच में एक बार फिर जैमिसन के सामने रोहित की कमजोरी उभरकर सामने आयी। वह जिन गेंदबाजों के सामने परेशान रहे हैं उनमें जैमसन का नाम भी जुड़ गया है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार श्रीलंकाई गेंदबाज एंजलो मैथ्यूज का शिकार बने हैं। मैथ्यूज ने उन्हें सात बार पवेलियन भेजा है। वहीं रोहित को सबसे ज्यादा बार एकदिवसीय क्रिकेट में आउट करने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के पूर्व गेंदबाज टिम साउदी हैं, जिनके वह 6 बार शिकार बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज मोर्ने मोर्कल ने रोहित का विकेट पांच बार लिया था। इस प्रकार वह रोहित को आउट करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वहीं जैमिसन अब इस सूची में चौथे नंबर पर आ गये हैं। उन्होंने रोहित को एकदिवसीय क्रिकेट में चार बार आउट किया है। रोहित को सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले गेंदबाजों में नॉथन कुल्टनाइल, रवि रामपॉल, अल्जारी जोसेफ, ट्रेंट बोल्ड, नुमान कुलसेखरा, एडम जैम्पा, मिचेल स्टार्क और कीमार रोच भी शामिल हैं।

# शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक



**एजेंसी ■ मुम्बई**

भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आंखिरकार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के सा ही शमी का 13 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो गया। वह हालांकि एकदिवसीय ओर टी20 प्रारुप खेलते रहेंगे। शमी के टेस्ट से संन्यास के फैसले पर प्रशंसक भावुक हो गये और उन्होंने उनके अमूल्य योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर उनकी इस खबर से निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। 13 सालों तक अपनी गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के दिलों में डर पैदा करने वाले शमी के इस फैसले से निराश उनके प्रशंसकों ने कहा कि आजा शायद आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। साथ ही कहा, 'आपके योगदान को भारत और क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूलेंगे।' गौरतलब है कि 36 साल के शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। आखिरकार उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एकदवसीय और टी-20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, शमी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका सिर्फ एक ही सपना था कि देश के लिए कुछ कर दिखाना। उन्होंने आगे लिखा कि इसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट को अपनी जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताते हुए उन्होंने भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ अलविदा कहने की बात कही। शमी के टेस्ट करियर का सफर आंकड़ों और शानदार स्पेल की एक अनूठी दास्तान रहा है। 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले शमी ने 13 साल के लंबे सफर में भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 27.71 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से कुल 229 विकेट अपने नाम किए। अपने इस सफल टेस्ट करियर के दौरान, उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने का कारनामा किया।

# एक दिवसीय में इन क्रिकेटरों के नाम हैं सबसे तेज अर्धशतक

**जोहांसबर्ग।** एक दिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 11 साल में कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये है सबसे तेज अर्धशतक का। डिविलियर्स के अलावा चार और बल्लेबाज हैं जिनके नाम सबसे तेज अर्धशतक हैं। डिविलियर्स ने साल 2015 में जोहन्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह सिर्फ एक फिफ्टी नहीं, बल्कि एक आतिशी पारी की शुरुआत थी, जहां उन्होंने कुल 149 रन बनाए, जिसमें 16 विशाल छक्के और 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी वह पारी एकदिवसीय इतिहास की सबसे आक्रामक बल्लेबाजी मानी जाती है। हाल ही में



वेस्टइंडीज के युवा ऑलराउंडर मैथ्यू फोर्ड ने भी 23 मई 2025 को डब्लिन में आयरलैंड के खिलाफ केवल मात्र 16 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये थे हालांकि इसके बाद भी डिविलियर्स का नाम सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी के तौर पर अभी भी दर्ज है। इन दिग्गजों के अलावा, कुछ और बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने का कारनामा किया है।

इस सूची में सबसे पहले नाम आता है श्रीलंका के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का, जिन्होंने 7 अप्रैल 1996 को सिंगापुर में पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर पचास रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी का नया चलन स्थापित किया था। उनकी 76 रनों की पारी में 5 छक्के और 8 चौके शामिल थे। कई साल बाद उन्हीं की शैली को दोहराते हुए एक और श्रीलंकाई बाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल परेरा ने 15 जुलाई 2015 को पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ 17 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। परेरा ने अपनी 68 रनों की पारी में 13 चौके और 2 छक्के जमाए।



हांगकांग में रुस की एलेकजेंड्रा शुबेलज महिला एकल टेनिस में रिटर्न शॉट लगाती हुई।

### इस मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उप-कप्तान डेविड वार्नर और साथी बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगा दिया गया

# सैंडपेपर मामले में तीन खिलाड़ी नहीं पूरी टीम शामिल थी : ख्वाजा

**एजेंसी ■ सिडनी**

ऑस्ट्रेलियाई के पूर्व क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने एक अहम खुलासा करते हुए कहा है कि सैंडपेपरगेट (गेंद से छेड़छाड़) कांड की जानकारी सभी को थी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी दावा किया है कि पहले भी इस प्रकार गेंद से छेड़छाड़ के मामले होती रही थी। उन्होंने कहा कि गेंद से छेड़छाड़ केवल केपटाउन टेस्ट में ही नहीं, बल्कि उससे पहले पोर्ट एलिजाबेथ में भी की गयी थी। इस मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उप-कप्तान डेविड वार्नर और साथी बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ख्वाजा ने कहा, यह मामला हम सबसे कारण हुआ। इसमें सभी शामिल थे। उन्होंने कहा कि कि ऑस्ट्रेलियाई



खिलाड़ियों को पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट के दौरान ही पता चला कि सैंडपेपर से गेंद को खराब किया जा सकता है। ख्वाजा के अनुसार, उस समय कप्तान रहे स्मिथ ने हवा में हाथ उठाते हुए कहा था कि वह इस बारे में कुछ जानना नहीं चाहते। तीसरे टेस्ट में कैमरे में बैनक्रॉफ्ट को गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करते हुए साफ देखा गया, जिसके बाद यह मामला सामने आया। ख्वाजा इस बात से भी हैरान हैं कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच के दौरान उनसे कोई सबूत नहीं मांगा गया था। ख्वाजा ने इस बात पर भी हैरान जतायी कि सिर्फ तीन बल्लेबाजों को सजा मिली, जबकि गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नेथन लियॉन और जोश हेजलवुड से यह सवाल तक क्यों नहीं पूछा गया कि गेंद की स्थिति में बदलाव होने पर उन्होंने अंपायरों को जानकारीक्यों नहीं दी थी। वहीं इस मामले में जब बैनक्रॉफ्ट से पूछा गया कि क्या गेंदबाजों को पता था, तो उन्होंने जवाब दिया था, यह शायद उन्हें स्वयं ही समझ में आ गया होगा। वहीं कुछ दिनों बाद ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एक साझा बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें न्यूलैंड्स में बड़ी स्क्रीन पर तस्वीरें देखने से पहले तक यह पता नहीं था कि गेंद का आकार बदलने के लिए मैदान पर कोई बाहरी चीज लाई गई थी। उन्होंने यह भी कहा था कि उस मैच के दौरान अंपायरों ने गेंद की जांच की थी और उसमें उन्हें नुकसान नहीं दिखा था। इसी कारण गेंद को नहीं बदला गया था। वहीं हाल ही में हुई दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने ख्वाजा की किताब में आयी बातों को लेकर कहा कि सैंडपेपरगेट मामला समाप्त हो गया है। इसलिए उन्हें कोई डर नहीं है। वहीं ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा में केप टाउन वाले अध्याय को स्मिथ, वार्नर और बैनक्रॉफ्ट को समर्पित किया है।

# नबी ने साइफर्ट को आउट कर अपने करियर का पहला विकेट लिया

**एजेंसी ■ वेलिंगटन**

भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए उसके बल्लेबाजी को कोई अवसर नहीं दिया।

नबी ने अपने करियर का सबसे यादगार स्पैल डालते हुए मेजबान टीम की सलामी जोड़ी को टिकने नहीं दिया। नबी ने नई गेंद से अपने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम साइफर्ट को पवेलियन भेज दिया। साइफर्ट अपना खाता भी नहीं खोल पाए और केवल दो रन ही बना पाये। इस प्रकार न्यूजीलैंड को पहला और सबसे बड़ा झटका लगा। यह नबी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट था, जिसे उन्होंने बेहद खास अंदाज में मनाया। इससे पहले अपने दो एकदिवसीय मुकाबलों में वह असफल रहे थे। साइफर्ट को आउट करने में अंशुल कंबोज ने भी योगदान दिया।

उन्होंने मिड-ऑफ पर एक बेहतरीन कैच पकड़ा। पहले ही ओवर में मिली इस सफलता ने भारतीय टीम को सिर्फ एक शुरुआती बढ़त ही नहीं दिलाई, बल्कि विरोधी टीम पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाया। न्यूजीलैंड की टीम जल्द ही भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई और 100 रन के भीतर ही उसने अपने पांच विकेट खो दिये थे।



## जैन धर्म में इसलिए मनाते हैं दीपावली का त्योहार

**भारत में हिन्दू, जैन, बौद्ध और सिख धर्म में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस दिन सभी धर्मों के लोग लक्ष्मी की पूजा करते हैं, दीपक जलाते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे छोड़ते हैं। लेकिन इसके अलावा भी सभी धर्मों में किसी अन्य खास कारण से भी दीपावली का उत्सव मनाया जाता है।**

दीपावली के दिन 527 ईसा पूर्व जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ था। उस दिन कार्तिक मास की अमावस्या की ही रात थी। इसी दिन भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को भी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसीलिए दीप और रोशनी के त्योहार दिवाली को जैन धर्म में भी धूमधाम से मनाया जाता है।

जैन ग्रंथों के मुताबिक महावीर भगवान ने दिवाली वाले दिन मोक्ष जाने से पहले आधी रात को आखिरी बार उपदेश दिया था जिसे 'उत्तराध्ययन सूत्र' के नाम से जाना जाता है। भगवान के मोक्ष में जाने के बाद वहां मौजूद जैन धर्मावलंबियों ने दीपक जलाकर रोशनी की और खुशियां मनाईं।

जैन धर्म के लिए यह त्योहार विशेष रूप से त्याग और तपस्या के त्योहार के तौर पर मनाया जाता है इसलिए इस दिन जैन धर्मावलंबी भगवान महावीर की विशेष पूजा करके उनके त्याग और तपस्या को याद करते हैं। दिवाली यानी वीर निर्वाणोत्सव वाले दिन सभी जैन मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है।





दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबतियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

# घर परिवार वालों के साथ मनाएं दिवाली

दिवाली का पर्व 8 नवंबर को मनाया जा रहा है। इस दिन एक शुभ मुहूर्त में मात्र 2 काम कर लें। माता लक्ष्मी प्रसन्न होकर धन और खुशियों का वरदान देंगी।

### घर की साफ सफाई करें

दिवाली के दिन सुबह जल्दी उठें और दिवाली मानाने के लिए अपने घर को अच्छे से साफ करें, घर की गन्दगी को हटाएं। घर का हर कोना साफ कर दें।

### खरीदारी करें

वैसे जो दिवाली की खरीदारी धनतेरस या गुरु पुष्य नक्षत्र में ही कर ली जाती है। फिर भी यदि पूजा, सजावट की सामग्री या अन्य कोई सामग्री बच गई हो तो उसके लिए खरीदारी करना होती हैं।

### घर की सजावट करें

साफ-सफाई के बाद घर की सजावट करें। माता लक्ष्मी के पूजा स्थल को सजाएं। हार-फूल आदि से द्वार, चौखट और खिड़की को सजाएं।

### रंगोली बनाएं

दिवाली पर द्वार के बाहर अच्छीसी रंगोली या मांडना बनाएं। लक्ष्मी पूजा स्थल पर भी रंगोली या मांडना बनाएं। इसके लिए प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें। घर की सभी महत्वपूर्ण जगहों पर रंगोली बनाएं।

### दीए लगाएं

शाम को दीए जलाने की तैयारी कर लें और फिर शाम को कितने और कहां दीपक जलाने हैं इसकी जानकारी जुटा लें। बहुत से लोग दिये का और बहुत से लोग मोमबत्ती का उपयोग करते हैं परंतु दिवाली में अगर अपने घर को रोशन करना है तो दिये का इस्तेमाल करना ही सही तरीका है।

### मिठाई-पकवान बनाएं

इस दिन, दिन में दिवाली के पकवान और मिठाई बनाई जाती है। नाश्ता करने के बाद यह कार्य करें और शाम को लक्ष्मी भोग की तैयारी करें। पकवान उतने ही बनाएं जितने की जरूरत हो। आजकर बाजार में ही दिवाली के बने बनाए पकवान मिलने लगे हैं।

### माता लक्ष्मी की पूजा आरती करें

शाम को नए वस्त्र पहनकर शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी की पूजा और आरती करें। माता लक्ष्मी को सभी तरह के भोग लगाएं और फिर सभी घर के सदस्य प्रसाद ग्रहण करें। यदि आप पूजा में जितनी देर करेंगे उतना कम लुफ्त उठा पाएंगे लोगों से मिलने और पटाखे छोड़ने में, तो बेहतर होगा कि आप शाम को जो सबसे पहला मुहूर्त हो उसी में लक्ष्मीजी की पूजा अच्छे से कर लें।

### पटाखे छोड़े

माता लक्ष्मी की पूजा के बाद बाहर सुरक्षित स्थान पर पटाखें चलाएं। पटाखे छोड़ते वक्त मास्क जरूर लगाएं। पटाखों से आंखों को बचाकर रखें और सबसे पहले तो याद रखें कि बच्चे अपने परिवार के बीच ही पटाखे चलाएं। एक बार में एक ही पटाखा जलाएं, नए-नए प्रयोग ना करें और साथ में सुरक्षा हेतु पानी की केन भरकर रखें। जब आप अपने पटाखे चला लें तो जिम्मेदार नागरिक बनिए, सारा कचरा साफ करें। अपने हाथ और पैर अच्छे से धोएं। पटाखों का कचरा जहरीला होता है। इसे ग्लोब्स पहन कर ही उठाएं। पाटाखों के संबंध में सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का ध्यान रखें।

### एक-दूसरे से मिलें

लक्ष्मी पूजा के बाद पटाखे छोड़े जाते हैं और फिर सभी लोग एक दूसरे से मिलकर दिवाली की बधाई देते हैं और आपस में मिठाइयों का आदान-दान करते हैं। मंदिर या महालक्ष्मी मंदिर में दीए रखने भी जाते हैं।

### सोने के पूर्व करें ये कार्य

दीपावली के दिन रात में सोने के पूर्व बच गए पटाखों को सुरक्षित स्थान पर रखें। माता लक्ष्मी के समक्ष एक ऐसा दीपक जलाकर रखें जो रातभर जलता रहे। घर का यदि कचरा हो गया हो तो उसे घर के किसी एक कोने में एकत्रित कर दें। घर के बाहर कचरा नहीं करें।

## दीप जलाते समय कौन सा मंत्र बोलना चाहिए?

धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज और देव दीपावली पर दीये जलाने की परंपरा है। दीपक जलाते समय मंत्र का उच्चारण करने का महत्व है। दीप से दीप नहीं जलाते हैं और जानिए कि दीये जलाने का क्या है समय समय और कौनसी है दिशा।



दीप जलाते समय इस मंत्र को बोलना चाहिए

*शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा।*
*शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोऽस्तु ते।।*
*दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।*
*दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोऽस्तु ते।।*
*दीपक से दीपक क्यों नहीं जलाना चाहिए*

दीये से दीया जलाना अशुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से घर में दरिद्रता आती है।

### दीपक के नीचे चावल क्यों रखते हैं

पूजा के स्थान पर रखे जा रहे दीपक को सीधे भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके नीचे काले तिल, चावल या उड़द रखें। चावल रखने से माता लक्ष्मी यदि दीपक जलाते समय उसके नीचे चावल रखें तो महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसी प्रकार यदि उसके नीचे काले तिल या उड़द रखें तो स्वयं मां, काली, भैरव, शनि, दस दिक्पाल, क्षेत्रपाल हमारी रक्षा करेंगे। इसलिए दीपक के नीचे किसी न किसी अनाज को रखना चाहिए।

### दीपक जलाने का सही समय और सही दिशा

दीपक किसी भी दिशा में रखें लेकिन ज्योति उसकी उत्तर या पूर्व दिशा में ही होना चाहिए। इसके अलावा कहते हैं कि पश्चिम दिशा में दीये रखने से धन की हानि होती है। हालांकि दक्षिण में यम और पितरों के निमित्त दीया रखते हैं। दीपक जलाना का सबसे उत्तम समय शाम 5 से 7 बजे के बीच का सही माना जाता है।

### दीपावली का इतिहास और प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख

दीपावली की परंपरा भारतीय संस्कृति में लंबे समय से चली आ रही है। प्राचीन साहित्य, धार्मिक ग्रंथों और ऐतिहासिक रचनाओं में दीपोत्सव तथा दीपमालिका जैसे उत्सवों का उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण और स्कन्द पुराण में भी दीपावली से जुड़ी परंपराओं और दीपों के महत्व का वर्णन मिलता है। दीपक भारतीय संस्कृति में ज्ञान, पवित्रता और मंगल का प्रतीक है। दीप प्रज्वलित करते समय मनुष्य अपने जीवन में विवेक और सद्बुद्धि के प्रकाश की कामना करता है। यही कारण है कि पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठानों और मांगलिक अवसरों पर दीप जलाने की परंपरा आज भी प्रचलित है। दीपावली का उत्सव भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग लोक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी से जोड़ा जाता है, तो कहीं माता लक्ष्मी की आराधना, व्यापारिक नववर्ष और अन्य स्थानीय धार्मिक परंपराओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इन विविधताओं के बावजूद दीपावली का मूल भाव प्रकाश, मंगल और सद्भाव ही है।



## अमावस्या के दूसरे दिन मनाया जाएगा गोवर्धन पर्व

दीपावली के पांच दिनी उत्सव में पहले दिन धनतेरस, दूसरे दिन नरक चतुर्दशी जिसे रूप चौदस भी कहते हैं, तीसरे दिन दीपावली, चौथे दिन गोवर्धन पूजा और पांचवें दिन भाईदूज का त्योहार मनाया जाता है। इसे अन्नकूट महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक माह में अमावस्या के दूसरे दिन प्रतिपदा के दिन गोवर्धन पूजा का पर्व रहता है।

### गोवर्धन पूजा विधि :

- इस दिन गोवर्धन पर्वत, गाय, बैल, भैंस, भगवान विश्वकर्मा और श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। यह पूजा सुबह और शाम को की जाती है।
- घर के सामने गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर उसे फूलों से सजाया जाता है। गोवर्धन के मध्य में एक मिट्टी के दीपक में दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में वितरित कर दिए जाते हैं।
- पूजन के दौरान गोवर्धन पर धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल आदि चढ़ाए जाते हैं।
- इसी दिन गाय, बैल, भैंस आदि कृषि कार्य में काम आने वाले पशुओं को सजाकर उनकी पूजा की जाती है। इस मौके पर सभी कारखानों और उद्योगों में मशीनों की पूजा भी होती है।
- पूजा के बाद गोवर्धन के जयकारे के साथ गोवर्धन की 7 परिक्रमाएं लगाते हैं। परिक्रमा के वक्त हाथ में लोटे से जल गिराते हुए और जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी की जाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर उसके समीप विराजमान कृष्ण के सम्मुख गाय तथा ग्वाल-बालों की रोली, चावल, फूल, जल, मौली, दही तथा तेल का दीपक जलाकर पूजा और परिक्रमा की जाती है।
- इसे अन्नकूट महोत्सव इसलिए कहते हैं क्योंकि इस दिन श्रीकृष्णजी को छप्पन भोग लगाए जाते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्र में अन्नकूट महोत्सव इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन नए अनाज की शुरुआत भगवान को भोग लगाकर की जाती है। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराके धूप-चंदन तथा फूल माला पहनाकर उनका पूजन किया जाता है और गौमाता को मिठाई खिलाकर उसकी आरती उतारते हैं तथा प्रदक्षिणा भी करते हैं।

## दीपावली पर क्यों चढ़ाते हैं मां लक्ष्मी को खील-बताशे

3मां लक्ष्मी को दीपावली पर खील-बताशे का प्रसाद जरूर चढ़ाया जाता है। दिवाली पर लोग पूजन सामग्री में खील-बताशे जरूर खरीदते हैं। लक्ष्मी पूजा में खील-बताशे अवश्य रखे जाते हैं। क्या आप जानते हैं कि माता लक्ष्मी की पूजा खील बताशों से ही क्यों की जाती है?

### क्यों चढ़ाते हैं खील बताशे का प्रसाद

खील यानी धान मूलतः धान (चावल) का ही एक रूप है। खील चावल से बनती है और चावल उत्तर भारत का प्रमुख अन्न भी है। वैसे लक्ष्मी देवी को बेसन के लड्डू और भगवान गणेश को मोदक का प्रसाद भी चढ़ाया जाता है। दीपावली के पहले ही इसकी फसल तैयार होती है, इस कारण लक्ष्मी को फसल के पहले भोग के रूप में खील-बताशे चढ़ाए जाते हैं। खील बताशों का ज्योतिषीय महत्व भी है। दीपावली धन और वैभव की प्राप्ति का त्योहार है और धन-वैभव का दाता शुक्र ग्रह माना गया है। शुक्र ग्रह का प्रमुख धान्य धान ही होता है। शुक्र को प्रसन्न करने के लिए हम लक्ष्मी को खील-बताशे का प्रसाद चढ़ाते हैं। यही कारण है कि दिवाली के दिन खील-बताशे चढ़ाए जाते हैं। श्वेत और मीठी सामग्री दोनों शुक्र की ही कारक हैं अतः इन दोनों को मिलाकर वास्तव में शुक्र ग्रह को ही अनुकूल किया जाता है। मां लक्ष्मी को प्रसन्न कर भी शुक्र को अपने अनुसार किया जा सकता है।





## भाई दूज पर किस समय लगाएं भाई को तिलक? शुभ मुहूर्त, पूजन सामग्री और विधि

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाने वाला भाई दूज (यम द्वितीया, भाऊ बीज या भ्रातृ द्वितीया) केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के पवित्र प्रेम, सुरक्षा और समर्पण का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के लंबे व सुखमय जीवन की कामना करती हैं, वहीं भाई अपनी बहनों को उपहार देकर सदैव उनकी रक्षा का संकल्प लेते हैं।

### तिथि एवं पूजन का शुभ मुहूर्त

शास्त्रों के अनुसार भाई दूज का पर्व अपराह्न काल (दोपहर के समय) में मनाया जाता है। वर्ष 2026 में दिवाली 08 नवंबर (रविवार) को मनाई जाएगी, जबकि भाई दूज 11 नवंबर (बुधवार) को रहेगी।

कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि प्रारंभ: 10 नवंबर 2026, दोपहर 02:00 बजे से

द्वितीया तिथि समापन: 11 नवंबर 2026, दोपहर 03:53 बजे तक

तिलक व पूजन का सर्वश्रेष्ठ समय: 11 नवंबर 2026, दोपहर 01:10 बजे से दोपहर 03:20 बजे तक

### तिथि निर्धारण के शास्त्रीय एवं प्रामाणिक नियम

**अपराह्न व्यापिनी तिथि:** यदि द्वितीया तिथि दोपहर के समय (दिन के चौथे पहर में) व्याप्त हो, तो उसी दिन यह पर्व मनाया जाता है।

**उदयातिथि का विधान:** यदि द्वितीया तिथि दोनों दिन अपराह्न काल में पड़े या दोनों ही दिन अपराह्न काल को स्पर्श न करे, तो उदयातिथि के अनुसार अगले दिन भाई दूज मनाना सर्वमान्य है।

**अनुष्ठान का समय:** तिलक लगाने, यम पूजन करने और भाई को भोजन कराने के सभी कार्य दोपहर के बाद ही संपन्न करने चाहिए।

### पावन रीति-रिवाज़ और प्रामाणिक पूजन विधि

**पूजा थाल की तैयारी:** एक थाली में कुमकुम, सिंदूर, अक्षत (बिना टूटे चावल), चंदन, ताजे फूल, मिठाई, फल और सुपारी सजाकर रखें।

**चौक पूरें और भाई को बिठाएं:** पूजा स्थान पर चावल के आटे या घोल से सुंदर चौक बनाएं और भाई को उस पर आदरपूर्वक बिठाएं।

**तिलक और आरती:** शुभ मुहूर्त में भाई के माथे पर तिलक लगाएं। तत्पश्चात उन्हें फूल, पान, सुपारी, बताशे और काले चने भेंट करके प्रेमपूर्वक उनकी आरती उतारें।

**उपहार व भोजन:** आरती के बाद भाई अपनी बहन के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें, अपनी सामर्थ्य अनुसार उपहार भेंट करें और जीवनभर रक्षा का वचन दें। इसके बाद बहन अपने हाथों से भाई को स्वादिष्ठ भोजन कराए।

### यमराज और यमुना जी की अमर पौराणिक कथा

भाई दूज का इतिहास सूर्यपुत्र यमराज और उनकी बहन यमुना के निश्चल प्रेम से जुड़ा हुआ है। कथा के अनुसार, यमुना जी अपने भ्राता यमराज को निरंतर अपने घर आने का निमंत्रण देती थीं। कार्तिक शुक्ल द्वितीया के शुभ दिन यमराज अपनी बहन के गृह पहुंचे। यमुना जी ने अत्यंत हर्षित होकर अपने भाई का भव्य स्वागत किया, माथे पर तिलक लगाया और मनपसंद भोजन कराया।

बहन के इस अगाध स्नेह से अभिभूत होकर यमराज ने उनसे वरदान मांगने को कहा। यमुना जी ने वर माँगा— 'हे भ्राता! आप प्रतिवर्ष इस तिथि पर मेरे घर भोजन करने आएं और जो भी बहन इस दिन अपने भाई का तिलक करके उसे भोजन कराएगी, उस भाई को कभी अकाल मृत्यु या यम का भय न सताए।' यमराज ने 'तथास्तु' कहकर इस वरदान को स्वीकार किया। इसी पावन प्रसंग के कारण इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।